डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 18 | अंक 232 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | गुरुवार 06 जून 2024 | मूल्य 2 रुपया

प्यार में अंधा होकर बना था मुस्लिम, फिर से अपनाया हिन्दू धर्म

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। कहते है कि प्रेम अंधा होता है, वह कुछ नहीं देखता। ज़ब इस अंधे प्रेम में कोई पड़ जाता है तों वह दुनियादारी, अपने पराये, सबको भूल जाता है। करीब 11 साल पहले जावरा के जगदीश राठौर एक मुस्लिम युवती से प्रेम कर बैठे। लेकिन, मामला शादी पर आकर अटक गया। मुस्लिम युवती के परिजनों ने कहा की आपको शादी करनी है तो हमारे धर्म क़ो स्वीकार करना पड़ेगा। जिसके बाद जगदीश राठौर ने मुस्लिम धर्म अपना लिया। जिसके बाद मौलवी आये, उन्होंने कलमा पढ़ाया, कुछ और कार्य करवाया। जिसके बाद इनका निकाह हो गया।

इस्लाम अपनाने के बाद जगदीश राठौर समीर बन गए। समीर पिछले 11 साल तक मुस्लिम धर्म में रहे। लेकिन, समीर के परिजन जो की हिन्दू थे वे अक्सर इस बात पर चर्चा करते थे की यह गलत किया। उनके साथ जावरा के समाज के लोग भी इस बात से नाराज थे और राठौर समाज से बाहर करने का कहने लगे थे। समीर की पत्नी भी कहने लगी की मुझे जाति धर्म से कोई दिक्कत नहीं है। जिसके बाद जगदीश राठौर ने मंदसौर के भाजपा नेता विनय दुबेला से चर्चा की। उन्होंने पिपलिया मंडी के समाजसेवी नरेश जजवानी क़ो बताया। जिसके बाद समीर पिपलिया मंडी आए और आर्य समाज में पुन: विधिवत तरीके से समीर क़ो शुद्धि कर जगदीश बनाया गया। जगदीश ने बताया की वह पिछले कुछ समय से पुन: हिन्दू धर्म में आना चाह रहा था। लेकिन, वह अवसर आज आया, अब वह पुन: अपने मूल धर्म में वापस आ गया है। इस बात कि उसे ख़ुशी भी है।

पति ने पत्नी को पीटा

पिपलियामंडी, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। पति ने पत्नी को पीटा। पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। आक्यापालरा निवासी मैना बावरी ने नारायणगढ़ थाने पर शिकायत दर्ज कराई शाम को पति शराब पीकर घर आया, मैंने शराब पीने से मना किया तो गाली-गलौज कर मारपीट की व लट्ठ से मारा, जिससे पेट व आंख पर चोंट आई, पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ केस दर्ज किया।

अवैध का टैग हटा, परेशानी जस की तस

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। जिले भर में अवैध कॉलोनियों से अवैध का ठप्पा तो हटा दिया गया है। लेकिन, रहवासियों की परेशानियां दूर नहीं हो पा रही है। वैध होने वाली कॉलोनियों के हजारों रहवासी मूलभूत सुविधाओं की आस लगाए बैठे हैं। वित्तीय संकट से जूझ रहे निकाय ना खुद विकास कार्य करा पा रहे है और ना रहवासियों से विकास शुल्क जमा करवाने के प्रयास कर रहे है। ऐसे में प्रक्रिया सिर्फ कागजों में ही उलझती दिख रही है।

नियमानुसार आवश्यकता होने पर नपा निर्धारित विकास शुल्क के अनुसार अपने हक की 50 फीसदी राशि खर्च कर इन कॉलोनियों में नाली, सड़क़ सहित अन्य आवश्यक निर्माण करवा सकती है। इसके लिए जरुरी नहीं है कि वे रहवासियों के शुल्क जमा करने का इंतजार करें। लेकिन, नपा खुद वित्तीय संकट से जूझ रही है। इसके बाद भी उसकी रुचि वैध हुई कॉलोनियों के रहवासियों से विकास शुल्क जमा करवाने में नहीं दिख रही। जानकारों का कहना है कि वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए जनप्रतिनिधियों या क्षेत्रीय पार्षदों की सहायता से निकाय रहवासियों को विकास शुल्क जमा करवाने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है। अगर 50 फीसदी राशि भी निकाय को रहवासियों से प्राप्त होती है तो वैध हुई कॉलोनियों में मूलभूत सुविधाएं दी जा सकती हैं।

✻ वैध हुई कॉलोनियों में निर्माण नहीं, मूलभूत सुविधाओं का इंतजार ✻ विकास शुल्क जमा करवाने में भी निकायों की अरुचि

हो चुकी है वैध की प्रक्रिया पूरी...

शहर में वर्ष 2016 तक की चिन्हित 57 कॉलोनियों के नियमितीकरण की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। जबकि, वर्ष 2016 तक की चिन्हित 202 अवैध कॉलोनियों में से 174 कॉलोनियों के नियमितीकरण की प्रक्रिया भी पूरी हो गई है। शेष कॉलोनियों में आपत्तियां होने के कारण मामला प्रक्रियाधीन है। नियमितीकण के बाद भी विकास की राह कॉलोनियां देख रही है। अभी तक कोई प्लान तक तैयार नहीं हो पाया है।

एनओसी मिलने के बाद ही रजिस्ट्री कार्यालय से हो सकेंगे काम...

बता दें कि निकायों ने संबंधित कॉलोनियों को लेकर पंजीयक कार्यालय को पत्र लिख चुके हैं कि वे नपा की एनओसी के बाद ही रजिस्ट्री, नामांतरण या अन्य प्रक्रिया कर पाएंगे। नपा की एनओसी के लिए रहवासियों को विकास शुल्क जमा करवाना जरूरी है। नपा इस आस में है कि रहवासी कभी तो विकास शुल्क जमा कराएंगे, बावजूद इसके रिस्पांस नहीं मिल पा रहा है। नपा का कहना है कि विकास शुल्क जमा कराने के लिए कुछ रहवासी पहुंच रहे हैं और जानकारी भी ले रहे हैं।

न सड़क, न पानी न ड्रेनेज व्यवस्था...

अवैध कॉलोनियों में रह रहे लोगों सालों से सुविधाओं को तरस रहे हैं। कॉलोनी के अवैध का टैग हटने के बाद कुछ उम्मीद जरुर जगी थी। लेकिन, फिलहाल समस्याए जस की तस बनी हुई है। अवेध कूलोनियों में रहवासी सड़क से लेकर पानी तक को तरस रहे हैं। ड्रेनेज व्यवस्था नहीं होने से कई कॉलोनियों में जल जमाव के कारण घरों में पानी घुस जाता है।

कॉलोनाईजरों को अभयदान...

महत्वपूर्ण यह भी है कि मंदसौर नगरपालिका ने कॉलोनाईजरों को अभयदान दे दिया है। प्रदेश मुख्यालय सहित कई जिलों में अवैध कॉलोनी बसाने वाले भू माफियाओं के खिलाफ एफआईआर हो चुकी है। लेकिन, मंदसौर नगरपालिका ने कोई कदम नहीं उठाए। पुलिस को शिकायत तक नगर पालिका ने नहीं की। बता दे कि आष्टा में 30 कॉलोनाईजरों पर कुछ समय पहले एफआईआर दर्ज की गई थी। यह मामला खासा सुर्खियों में रहा था। यह कार्रवाई टीआई पुष्पेंद्रसिंह राठौर ने ही की थी जो वर्तमान में मंदसौर शहर कोतवाली में पदस्थ है।

आज समाप्त होगी आचार संहिता

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। देश में आमचुनाव को लेकर बीती 16 मार्च से लागू आदर्श आचार संहिता आज 6 जून को खत्म हो जाएगी। इसके साथ ही सभी शासकीय प्रतिबंध हट जाएंगे। यानी अब न तो बैंड-बाजो के लिए संबंधित एसडीएम से इजाजत लेनी होगी, न शहर में धारा 144 लागू रहेगी।

बीते 82 दिनों से बंद जनसुनवाई एक बार फिर शुरू होगी। अब नए राशन कार्ड बनेंगे और नई पेंशन स्कीम भी शुरू हो जाएगी। रेडक्रॉस से मिलने वाली सहायता राशि भी मिलना शुरू हो जाएगी। सीएम हेल्पलाइन और महापौर हेल्पलाइन भी शुरू कर दी जाएगी। आचार संहिता के कारण सभी सरकारी अधिकारी-कर्मचारियों के अवकाश पर रोक लगा दी गई थी। अब तक सभी प्रकार के अवकाश की अनुमति कलेक्टर दे रहे थे। अब अवकाश पर लगी रोक हट जाएगी।

मौसम : तापमान में कमी, लेकिन उमस कर रही परेशान

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। तापमान में कमी के बावजूद अब उमस वाली गरमी परेशान कर रही है। बीते तीन दिनो से तापमान 39–40 डिग्री के आसपास बना हुआ है। बावजूद इसके अब भी लोगों को भीषण गरमी और उमस का सामना करना पड़ रहा है।

दोपहर के वक्त लोग घरों से बाहर निकलने में परहेज कर रहे हैं। बुधवार को जिले का अधिकतम तापमान 40.5 डिग्री और न्यूनतम तापमान 29.1 डिग्री सेल्सियस रहा। दिन के वक्त गर्म हवा चली। लोगों को भीषण गरमी और उमस का सामना करना पड़ा।

मंडी में नहीं थम रहा फर्जी रसीद का खेल
व्यापारियों ने नीलामी रोककर जताया विरोध

सचिव के काबू से बाहर हुई मंडी, एसडीएम ने पहुंचकर की व्यापारियों से चर्चा

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश की आदर्श मंडी का दर्जा प्राप्त मंदसौर कृषि उपज मंडी में इन दिनों अनियमिताए थमने का नाम नहीं ले रहीं है। अध्यक्ष विहीन मंडी सचिव के नियंत्रण से बाहर हो गई है। पिछले काफी समय से फर्जी पर्चियों के सहारे व्यापारियों के साथ धोखाधडी की कोशिश हो रही है। कुछ दिनों पहले भी इस तरह का मामला आया था, जिसके बाद आरोपियों के विरुद्ध यशोधर्मन नगर थाने में प्रकरण दर्ज हुआ और मंडी के जिम्मेदारों ने व्यवस्थाऐं सुधारने का आश्वासन व्यापारियों को दिया। इसके बाद एक बार फिर फर्जी पर्ची के सहारे व्यापारी से भुगतान लेने का प्रयास हुआ, जिसके बाद व्यापारियों ने आक्रोश जताया और मंडी में नीलामी रोक दी। सूचना मिलने पर एसडीएम एवं भारसाधक अधिकारी एसएल शाक्य मौके पर पहुंचे और व्यापारियों से चर्चा की।

जानकारी के अनुसार मंदसौर की कृषि उपज मंडी में फर्म उदयराम हजारीमल पर एक व्यक्ति फर्जी पर्ची लेकर भुगतान लेने के लिए पहुंच गया। युवक मुंह पर कपडा बांधे हुआ था। ऐसे में व्यापारी को शंका हुई और उसे बिठाकर पूछताछ की तो वह जवाब देने के बजाय वहां से भाग निकला। व्यापारी ने इस घटना क्रम की सूचना मंडी व्यापारी संघ को दी और घटना के विरोध स्वरूप व्यापारियों ने मंडी में नीलामी बंद कर दी। सभी व्यापारी मंडी कार्यालय में एकत्र हुए। इधर मंडी में कामकाज रोके जाने की घोषणा के बाद प्रशासन भी हरकत में आया और एसडीएम एसएल शाक्य मौके पर पहुंचे। व्यापारियों ने एसडीएम को अपने साथ ही हो रहीं धोखाधडी की कोशिशों से अवगत कराया और कहा कि मंडी में जिस तरह से आपराधिक तत्व हावी हो रहे है, ऐसे में मंडी में व्यापारियों का काम करना मुश्किल हो रहा है। मंडी में अन्य समस्याओं को लेकर भी एसडीएम को व्यापारियों ने अवगत कराया और कहा कि मंडी में व्याप्त अव्यवस्थाओं के चलते व्यापारी और किसान दोनो ही परेशान हो रहे है। इसकों लेकर पहले ज्ञापन भी सौपा जा चुका है। बावजूद इसके निराकरण नहीं हो पा रहा है।

व्यापारियों को एसडीएम ने असामाजिक तत्वों पर लगाम लगाने और अनियमितताओं को सुधारने का आश्वासन दिया। जिसके बाद मंडी में कामकाज प्रारंभ हो पाया। दूसरी तरफ व्यापारी के साथ धोखाधडी करने वाले बदमाश के बारे में कुछ भी पता नहीं लग सका है। बताया जा रहा है कि फर्जी किसान बने मुल्तानी गैंग के बदमाश ने पूरानी पर्ची में कारस्तानी कर उसके माध्यम से भुगतान लेने का प्रयास किया था। लेकिन व्यापारी की सजगता से भुगतान नहीं हो पाया। इधर व्यापारियो ने मंडी सचिव को हटाने कि मांग भी कर डाली।

इनका कहना...

पूरानी पर्ची की कार्बन कॉपी के साथ छेड़छाड कर व्यापारी से भुगतान लेने का प्रयास एक व्यक्ति ने किया था। मुंह पर कपडा बंधा होने के कारण उसकी पहचान नहीं हो पाई। घटना के बाद व्यापारियों से चर्चा की है, बदमाश का पता लगाने का प्रयास कर रहे है। मंडी में अब घटना ना हो इसको लेकर भी चर्चा की गई है।

पर्वतसिंह सिसोदिया
सचिव कृषि मंडी मंदसौर

अनिल गार्लिक पर धोखाधड़ी करने वाला मुल्तानी नहीं मिला...

मंदसौर मंडी के व्यापारी इन दिनों मंडी में मुल्तानी गैंग से परेशान है। बुधवार को भी व्यापारी ने परेशान होकर अपनी व्यथा मंडी व्यापारी संघ को बताई। जिसके बाद व्यापारी संघ ने मंडी में नीलामी रोक दी। इधर मंडी कि फर्म अनिल गार्लिक पर धोखाधडी के आरोपी मुल्तानी गैंग के प्रमुख शाहिद पटेल का भी पता नहीं चल रहा है। इधर व्यापारी के मुनीम शाकिर भी पुलिस को नहीं मिला है। उसके नाहर सय्यद स्थित घर पर भी ताला लगा है। ऐसे में पुलिस जांच आगे नहीं बढ़ पा रही है।

हत्या के दो आरोपियों को 10-10 साल की सजा

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। अचेरी दरगाह के पास हुए विवाद में तीन चार लोगो ने मिलकर अन्य लोगो को पीटा था। जिसमें एक युवक की मौत हो गई थी। मामले में न्यायालय ने दो आरोपियो को 10–10 साल की सजा और 5–5 हजार रूपए जुर्माना जमा कराने का आदेश दिया। जिला लोक अभियोजक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार अचेरी दरगाह के पास कबूतर लेने गए रियान अचेरी को राजा, फिरोज, गुड्डू व गुलाम मिल गए और रिश्ते की बात को लेकर आरोपी गुड्डु, गुलाम और बबलु ने उसे घेर लिया तब उसने फोन से अपने भाई रईस को सूचना दी। सूचना .... **शेष पेज 4 पर**

अफीम, एमडी ड्रग्स के साथ बिहारी गिरफ्तार, बाईक जप्त

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। मल्हारगढ़ थाना पुलिस ने महू–नीमच फोरलेन मार्ग से एक बाईक सवार के कब्जे से 500 ग्राम अफीम और 100 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की। मामले में आरोपी को गिरफ्तार करते हुए बाईक भी जप्त की गई है। मल्हारगढ़ थाने से मिली जानकारी के अनुसार मुखबीर सूचना पर सूठोद से मल्हारगढ़ के बीच स्थित पुलिया पर नाकाबंदी की गई। यहां अपाचे बाईक क्रमांक एमपी 14 झेडइ 0622 को रोका गया। बाईक सवार वसीम आलम पिता रायसुददीन शेख निवासी माधोपुर जिला बेतिया बिहार हाल मुकाम गोर्वधनपुरा जिला प्रतापगढ राजस्थान की तलाशी ली गई। जिसके पास आधा किलो अफीम के साथ ही 100 ग्राम एमडी ड्रग्स भी मिली। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओ में प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है।

दो दिन की रिमांड पर आरोपी...

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी वसीम आलम पिता रायसुद्दीन शेख निवासी माधोपुर जिला बेतिया बिहार हाल मुकाम गोर्वधनपुरा जिला प्रतापगढ राजस्थान को न्यायालय में पेश किया। जहां से उसे 2 दिन की पुलिस रिमांड पर सौंपा गया है। अब पुलिस आरोपी से विस्तृत पूछताछ कर रही है कि वह अवैध अफीम और एमडी ड्रग्स कहां से लाया था और किसे देने जा रहा था।

अभी भी है गरीबों के फ्रीज मटकों की डिमांड

अब तक 50 हजार से ज्यादा मटके बिके

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। शहर में 5 महीने के दौरान करीब 50 हजार मटके बिकते हैं। इस बार फरवरी-मार्च से ही गर्मी शुरू हो गई थी। अप्रैल से तेज गर्मी का मौसम बना हुआ है। अब बारिश करीब है। लेकिन, गरमी की तेजी में कोई कमी नहीं आ रही है। यही कारण है कि गरीबो के फ्रीज मटको की डिमांड अभी भी बाजार में बनी हुई है। इस साल अब तक करीब 50 हजार मटके बिक चुके है।

बता दें कि पिछले साल बार-बार बारिश होने के कारण 50 फीसदी भी मटके नहीं बिके थे। वहीं इस साल अनुमान के मुताबिक 50 हजार मटके बिक चुके हैं। शहर में वैसे तो पूरे साल ही मटको की दुकान लगी रहती है। लेकिन, फरवरी से मटकों की आवक और स्टाक शुरू हो जाता है। जो 15 जून तक रहता है। पांच महीनों के सीजन में करीब 50 हजार से ज्यादा विभिन्न प्रकार के मटके, नांद सहित मिट्टी से बने अन्य आयटम बिकते हैं। गर्मी में शहर सहित जिले के अधिकांश लोग मटके खरीदते हैं। पिछले साल अप्रैल 2023 में बार-बार बारिश होने के कारण व्यापार ठप रहा था। इसके बाद मई के दूसरे सप्ताह में ग्राहकी ने जोर पकड़ा और 60 फीसदी तक बिक्री हुई थी।

इस साल फरवरी से ही गर्मी के कारण अच्छी ग्राहकी बनी हुई है। लोगों के अनुसार घर में फ्रीज तो है, लेकिन मटके का पानी पीने के लिए ज्यादा उपयोग में लेते हैं। इस साल तेज गर्मी के कारण दूसरी बार मटका खरीद चुके हैं। इधर मटका व्यवसायियों ने चर्चा में बताया कि शहर में तेज गर्मी के कारण अच्छी ग्राहकी है। यहां जिले भर से लोग खरीददारी करने आते हैं। पांच महीने में करीब 50 हजार विभिन्न साइज व प्रकार के मटके, नांद सहित अन्य पानी रखने के मिट्टी से बने अन्य आयटम बिक जाते हैं। पिछले साल पूरे सीजन में 60 फीसदी ग्राहकी भी नहीं हुई थी। जबकि, इस साल हमारा स्टाक लगभग बिक चुका है। कुछ माल बचा है, जो भी जल्द ही बिकने की संभावना है।

विचार-मंथन

बढ़ते वैश्विक ताप को लेकर चिंता...

हर वर्ष गर्मी में तापमान कुछ बढ़ा हुआ दर्ज हो रहा है। लू के थपेड़ों से लोगों की जान चली जाती है। पिछले वर्ष एक ही दिन में अकेले बलिया में करीब डेढ़ सौ लोगों की जान चली गई थी। दुनिया भर के मौसम वैज्ञानिक जलवायु परिवर्तन के चलते बढ़ते वैश्विक ताप को लेकर चिंतित हैं। मगर इसे लेकर खुद सरकारें और उनके तंत्र कुछ गंभीर नजर नहीं आते। इसी का नतीजा है कि उत्तर प्रदेश और बिहार में मतदान के आखिरी चरण में लू लगने और बुखार की वजह से फिलहाल करीब पच्चीस लोगों के जान गंवा देने के आंकड़े आए हैं। इसके अलावा पिछले चार दिनों में सात राज्यों से करीब साढ़े तीन सौ लोगों के मरने के आंकड़े मिल रहे हैं। दो साल पहले ऐसी ही जानलेवा गर्मी के मौसम और कोरोना संक्रमण के समय उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनाव कराए गए थे, जिसमें सौ से अधिक सरकारी स्कूलों के अध्यापकों के चुनाव तैनाती के दौरान बीमार होकर मरने के आंकड़े आए थे। तब उत्तर प्रदेश अध्यापक संघ ने खासा विरोध दर्ज कराया और मुआवजे को लेकर सरकार पर काफी दबाव बनाया था। अब आम चुनाव के दौरान तैनात कर्मचारियों के मरने की खबरें आई हैं। स्वाभाविक ही तेज गर्मी में तैनात कर्मचारियों के मरने को लेकर निर्वाचन आयोग की आलोचना हो रही है। मरने वाले कर्मचारियों में अधिकतर छोटी श्रेणी के हैं, जिन्हें लगभग पूरे समय धूप में ही खड़े रहना पड़ा होगा। इनके अलावा, उन हजारों सुरक्षाबलों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है, जिन्हें चिलचिलाती धूप और लू के थपेड़े सहते हुए अपने कर्तव्य का निर्वाह करना पड़ा। मतदान की प्रक्रिया समाप्त हो गई, मगर यह सवाल अपनी जगह बना हुआ है कि आखिर निर्वाचन आयोग ने क्या सोच कर चुनाव को इतना लंबा खींचा और ऐसे मौसम में मतदान की तारीखें रखीं, जब पूरा उत्तर भारत लू में झुलस रहा होता है। ऐसा नहीं माना जा सकता कि निर्वाचन आयोग मई और जून के महीनों में चलने वाली गर्म हवाओं से अपरिचित रहा होगा। जब वह सुरक्षा उपायों का गंभीरता से अध्ययन कर सकता है, सुरक्षाबलों की तैनाती को लेकर इतना सतर्क हो सकता है, तो उसने मौसम विभाग के साथ बैठ कर गर्मी के चलते पैदा होने वाली दिक्कतों के बारे में जानकारी हासिल करने का प्रयास क्यों नहीं किया। कई लोगों का मानना है कि तेज गर्मी की वजह से बहुत सारे लोग मतदान के लिए घरों से बाहर नहीं निकले, जिससे कई जगहों पर मतदान काफी कम हुआ। मतदान कराने का मतलब केवल यह नहीं होता कि कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जाए और मतदाताओं की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जाए। इस प्रक्रिया को संपन्न कराने वालों की सेहत और सुविधाओं का भी ध्यान रखना जरूरी होता है। निर्वाचन आयोग इस बात से बेखबर नहीं माना जा सकता कि गर्मी और लू के कारण लोगों का पाचन तंत्र खराब हो जाता है, जिन लोगों को दिल, गुर्दे वगैरह की समस्या है, उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ता है। जिन सरकारी कर्मचारियों को चुनाव केंद्रों पर तैनात किया गया, उनमें से अनेक लोग इस तरह की समस्याओं से पहले से जूझ रहे होंगे। आखिर उनकी सेहत का ध्यान रखने की जिम्मेदारी किस पर होगी। अब लू लगने से मरने वालों को मुआवजे की घोषणा की जा रही है, मगर इससे सरकारी तंत्र की लापरवाहियों पर पर्दा नहीं पड़ जाता।

पाकिस्तान में हिंदू विरासत कैसे बचे?

विनीत नारायण

बंटवारे से पहले पाकिस्तान में रहने वाले हिंदू हर शहर में बसे थे और वे बड़े जमींदार व संपन्न व्यापारी थे। जिन्हें रातों-रात सब कुछ छोड़ कर भारत में शरणार्थी बन कर आना पड़ा। इन हिंदुओं व जैनियों ने पाकिस्तान में अपने आराध्य के एक से एक बढ़ कर मंदिर बनवाए थे जिनकी संख्या 1947 में 428 थी। जो आज घट कर मात्र 20 मंदिर रह गए हैं। इसी तरह पाकिस्तान के पंजाब सूबे में सैकड़ों गुरुद्वारे थे जो बाद में भारत से गए मुसलमान शरणार्थियों के आशियाने बन गए। वैसे बलूचिस्तान में स्थित हिंगलाज देवी का मंदिर विश्व प्रसिद्ध है। क्योंकि यह 64 शक्तिपीठों में से एक है और यहां सारे वर्ष तीर्थ यात्रियों का आना-जाना लगा रहता है। इसके अलावा कराची की हिंदू आबादी के बीच जो मंदिर हैं वे भी सुरक्षित हैं और उनमें भगवान की नियमित सेवा पूजा और उत्सवों का आयोजन होता रहता है। पर इतनी बड़ी संख्या में मंदिरों और गुरुद्वारों का नष्ट हो जाना एक स्वाभाविक प्रक्रिया थी क्योंकि जब उनमें आस्था रखने वाले लोग ही नहीं रहे तो ये मंदिर और गुरुद्वारे कैसे आबाद रहते? इस स्थिति में बड़ा बदलाव तब आया जब 2011 में पाकिस्तान की सर्वोच्च अदालत के आदेश के बाद पेशावर के ऐतिहासिक गोरखनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार पाकिस्तान सरकार द्वारा करवाया गया। इसी तरह कराची में दरियालाल मंदिर का भी जीर्णोद्धार सरकार और भक्तों ने मिलकर किया। 2019 में पाकिस्तान के

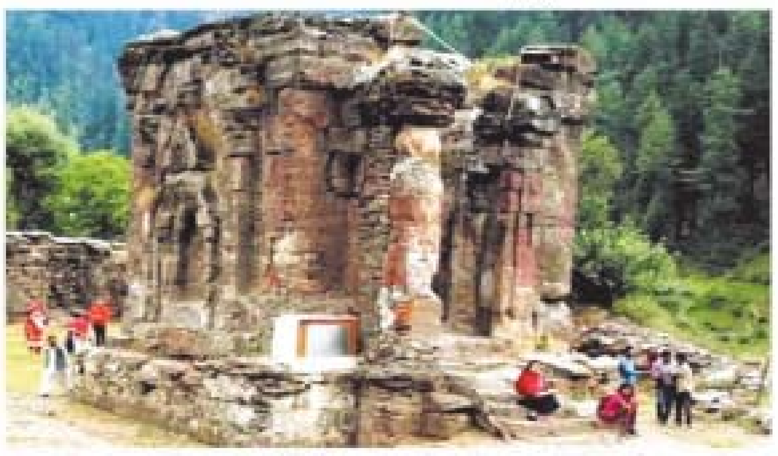

तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खां ने घोषणा की थी कि बंटवारे के समय जो 400 मंदिर पाकिस्तान में थे उन सभी का अधिग्रहण करके सरकार उनका जीर्णोद्धार करवाएगी। इसी क्रम में सियालकोट में 1947 से बंद पड़े शिवाला तेजसिंह मंदिर का जीर्णोद्धार भी वहां की सरकार ने करवाया। पाकिस्तान का दुर्भाग्य है कि वहां की फौज लोकतंत्र को सफल नहीं होने देती। इमरान खां अपदस्थ कर दिए गए और उसके साथ ही उनकी यह योजना भी खटाई में पड़ गई। पर पाकिस्तान के पढ़े लिखे मध्यमवर्गीय मुस्लिम समाज में अपनी इन ऐतिहासिक धरोहरों को लेकर नव-जागृति आई है। आप यू-ट्यूब पर अनेक टी.वी. रिपोर्ट्स देख सकते हैं जिनमें इन स्थलों को खोजने और दिखाने में पाकिस्तान के युवा यू-ट्यूबर उत्साह से जुटे हैं। चूंकि भारत और पाकिस्तान के बीच के रिश्ते बहुत मधुर नहीं हैं, इसलिए दुनिया के अन्य देशों विशेषकर यूरोप व अमरीका में रहने वाले संपन्न हिंदुओं को पाकिस्तान में स्थित ऐतिहासिक हिंदू तीर्थ स्थलों का उदारता से जीर्णोद्धार करवाना चाहिए। बशर्ते कि पाकिस्तान की मौजूदा सरकार और स्थानीय लोग इस बात के लिए तैयार हों और इन स्थलों की रक्षा और व्यवस्था की जिम्मेदारी भी लें। इसी क्रम में पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर की नील घाटी में पौराणिक शारदापीठ एक ऐसा तीर्थस्थल है जिसका विकास कश्मीरी पंडित व अन्य हिंदू ही नहीं, नील घाटी में रहने वाले मुसलमान भी करवाना चाहते हैं क्योंकि श्री करतारपुर साहिब कॉरिडोर की तरह विकसित हो जाने पर उन्हें वहां अपनी आर्थिक समृद्धि की असीम संभावनाएं दिखाई देती हैं। भौगोलिक रूप से भी यह तीर्थ भारत की मौजूदा सीमा के परलीपार स्थित है। पाक नियंत्रण वाले इसी कश्मीर के मुजफ्फराबाद जिले की सीमा के किनारे से पवित्र 'कृष्ण-गंगा' नदी बहती है। कृष्ण-गंगा नदी वही है जिसमें समुद्र मंथन के पश्चात् शेष बचे अमृत को असुरों से छिपाकर रखा गया था और उसी के बाद ब्रह्मा जी ने उसके किनारे मां शारदा का मंदिर बनाकर उन्हें वहां स्थापित किया था। जिस दिन से मां शारदा वहां विराजमान हुईं उस दिन से ही सारा कश्मीर 'नमस्ते शारदादेवी कश्मीरपुरवासिनी/त्वामहंप्रार्थये नित्यम् विद्यादानम च देहि में' कहते हुए उनकी आराधना करता रहा है और उन कश्मीरियों पर मां शारदा की ऐसी कृपा हुई कि आष्टांग योग और आष्टांग हृदय लिखने वाले वाग्भट वहीं जन्मे,नीलमत पुराण वहीं रची गई, चरक संहिता, शिव-पुराण, कल्हण की राजतरंगिणी, सारंगदेव की संगीत रत्नाकर सबके सब अद्वितीय ग्रन्थ वहीं रचे गए, उस कश्मीर में जो रामकथा लिखी गई उसमें मक्केश्वर महादेव का वर्णन सर्वप्रथम स्पष्ट रूप से आया। शैव-दार्शनिकों की लंबी परंपरा कश्मीर से ही शुरू हुई। मां शारदा के उस पवित्र पीठ में न जाने कितने सहस्त्र वर्षों से हर वर्ष भाद्रपद शुक्ल पक्ष अष्टमी के दिन एक विशाल मेला लगता था जहां भारत के कोने-कोने से वाग्देवी सरस्वती के उपासक साधना करने आते थे। इस तीर्थ के जीर्णोद्धार और इस संपूर्ण क्षेत्र के विकास के लिए शारदापीठ कश्मीर के शंकराचार्य स्वामी अमृतानंद देव तीर्थ कई वर्षों से सक्रिय हैं। उनके प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर अच्छे संबंध हैं और उन्हें सनातन धर्मियों का उदार समर्थन प्राप्त है।

दक्षिण अफ्रीका में बदलाव...

एएनसी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की राजनीतिक यात्राओं में काफी समानता है। क्या एएनसी नई चुनौतियों से उबरने में कामयाब होगी? या धीरे-धीरे दक्षिण अफ्रीका की राजनीति में उसकी स्थिति वैसी ही हो जाएगी, जैसी भारत में इंडियन नेशनल कांग्रेस की हुई? दक्षिण अफ्रीका में रंगभेदी शासन खत्म होने के बाद ऐसा पहली बार हुआ है, जब सत्ताधारी अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस (एनएसी) के पास बहुमत नहीं होगा। अब उसे अपना राष्ट्रपति चुनवाने के लिए किसी सहयोगी दल की जरूरत पड़ेगी। (दक्षिण अफ्रीका में कार्यकारी शक्ति राष्ट्रपति के हाथ में होती है, जिनका चुनाव संसद करती है।) रंगभेद की समाप्ति के बाद दक्षिण अफ्रीका में पहली बार 1994 में चुनाव हुए थे। 30 साल बाद एनाएसी को पार्टी में फूट, लोगों की बढ़ी मुश्किलों, और भ्रष्टाचार की गंभीर की शिकायतों के कारण बहुमत गंवाना पड़ा है। पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा भ्रष्टाचार के दोषी पाए गए थे। इस कारण एएनसी का नेतृत्व उनकी हाथ से निकल गया। तब उन्होंने अपनी पार्टी बना ली, जिसे जुलु कबीले के वर्चस्व वाले क्राजुलु नटाल प्रांत में जोरदार सफलता मिली है। राष्ट्रीय स्तर पर उन्हें 11 फीसदी वोट मिले हैं। उधर नई उभरी वामपंथी पार्टी- इकॉनमिक फ्रीडम फाइटर्स (ईएफएफ) ने 8 प्रतिशत वोट हासिल कर प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। इन दोनों पार्टियों के कारण एएनसी को 15 प्रतिशत से अधिक वोट गंवाने पड़े। इस बार वह लगभग 42 फीसदी वोट ही पा सकी।

छूटे हुए लोग...क्या उन्हें भी अच्छे दिन आने के सपने देखने की इजाजत है?

सुरेश सेठ

पूरा देश तरक्की की सुबह और बहुमंजिला प्रासादों से अंतरिक्ष छूने के ख्वाब देखता है। मगर बहुत से लोग हैं जो सड़क पर छूट गए। सड़क भी वह, जो लगातार मरम्मत के बहाने टूटफूट और गड्ढों से भरती जा रही है। सड़क पर छूटे लोग अब क्या करें? क्या उन्हें भी अच्छे दिन आने के सपने देखने की इजाजत है? सपने देखते लोग सड़कों पर बैठे थे, टूटी पगडंडियों तक आ गए। किसी ने उनसे पूछा था कि 'आपको कितने दिन हो गए सड़क पर धरना लगाए?' अब ऐसी बातों का भी भला कोई जवाब हो सकता है? ज्यादा पूछा जाए तो यही जवाब देंगे कि 'सड़क पर तो हमारा हमेशा धरना रहा है, आप हमारे धरने के दिन न गिनिए। कोशिश कीजिए कि साम, दाम, दंड, भेद की कोई भी नीति अपनाकर यह धरना उठाना है।' हमारा यह धरना वैसे अभी नहीं, बहुत दिन से है। होश संभालने के बाद पता चला कि यहां अक्ल और रुचि नहीं, सिफारिश और सिक्कों की चमक देखी जाती है। जब इसके धनुर्धारी इन सब सीटों को हथिया लेते हैं, तो हमारे लिए जो बचता है, वह है कमतर पाठशाला और आर्थिक संकट में घिरे हुए विश्वविद्यालय। एक अनार है और सौ बीमार हैं। एक इस्तीफा देकर अनोखा कार्य करता है तो बाईस उसकी जगह लेने को तैयार बैठे होते हैं। लोग आजकल गद्दी छोड़ते कहां हैं? जाने की तैयारी कर भी लें तो अपना नाती-पोता वहां भिड़ा जाते हैं। कुछ लोग बीते युग के आदर्शों का रोना रोते हुए इस्तीफा दे गए तो उनकी अक्ल का मातम ही मनाया जा सकता है। एक भी हाथ उनके समर्थन में नहीं उठा, किसी समूह ने उनके हक में धरना नहीं दिया। होश संभालने के बाद से ही कुछ लोग अपने साथ होती ऊंच-नीच के विरोध में धरना देने की बस सोचते रहे हैं, लेकिन ऐसी बातों पर भी कोई धरना लगाता है कि हमें सही जगह पढ़ने के लिए नहीं मिलीज योग्यता अनुसार नौकरी नहीं मिली। मेहनत करके फसल की बिजाई की तो उसका सही मूल्य नहीं मिला। अनुदान बंटने लगा तो वंचितों से अधिक उसके बिचौलिए प्रमुख हो गए। स्वनामधन्य नेता इस देश का बोझ उठाते-उठाते दोहरे हो गए। उनका दारुण दुख देखा नहीं जाता। उनके हक में भाषण दिए जा सकते हैं, लेकिन उनके लिए धरने नहीं दिए जा सकते। हां, यह अवश्य किया जा सकता है कि अगर किसी समूह ने न्याय के लिए धरना दिया, तो उसे निशाना बनाने के लिए उन्हें देशद्रोही, विपक्ष की कठपुतलियां या फर्जी करार दे दिया जाए। धरने वालों को इस प्रकार थका दिया जाए, बस वे घिघिया कर स्वयं ही नाममात्र शर्तों के साथ फैसला करने के लिए बढ़ आएंगे और समय की सरकार उदारता दिखाते हुए कह देगी कि लीजिए जनाब, हमसे आपका दुख देखा नहीं जाता था, इसलिए हमने स्वयं ही आपकी समस्याओं का हल तलाश लिया। बड़े-बड़े सिपहसालार मैदान में उतारे जा रहे हैं, जो आपकी समझ का मातम मनाते हुए असली बात समझाएंगे कि यह कदम अमीरों के हक में नहीं, उस बोसीदा जर्जर ढांचे को नष्ट करने के लिए उठाए जा रहे हैं। लोगों को यह बताना पड़ेगा कि वे सदियों से खेतीबाड़ी कर रहे हैं और महाजनी सभ्यता के बंधक हैं। गैरहाजिर जमींदार अपनी कूवत और पैसे के बल पर भागीदार कहते हुए भी हमारी मेहनत को किसी किनारे नहीं लगने देते थे। हमारा देश खेती प्रधान है। दो तिहाई जनता आज भी गांवों में छत तलाशती है, आधी आबादी खेती में लगी है, लेकिन जमींदार, साहूकार और आढ़तियों की धौंस इस तरह कि हम आज भी धरने पर बैठ जाते हैं कि हमें तो अभी धनी किसान के साथ बंटाई, साहूकार से कर्जा और आढ़तिए के साथ सौदा करना है। हमारे जाने-पहचाने हैं, अपना मारेगा तो भी जगह देख कर मारेगा। वंचित रहे तो क्या? हम कहते हैं कि हमें निश्चित कीमत पर नियमित मंडियों में माल बेचने दिया जाए। हम भूल गए अपनी गरीबी को कि पहले भी कहां पूरा माल यहां बेचते थे। छह फीसद यहां बेच कर चौरानवे फीसद तो औने-पौने दाम बड़ी थैली वालों के पल्ले ही जाता था। अब हमने उनकी मंडियां बना दीं और बड़े घरानों के चटपट धनिक हमारा माल उठा लेंगे, हमारी खेती ठेके पर कर देंगे या अपनी इच्छानुसार फसलों की बिजाई करवा देंगे तो क्या आसमान टूट पड़ेगा? इसलिए इन लोगों को बड़े पैमाने पर घुसने दिया जाए, इनका पेट भरेगा, तो रूखा-सूखा हमको भी मिल जाएगा। बड़े-बड़े शब्द हैं उनके पास। खेती का आधुनिकीकरण, व्यवसायीकरण और नए भारत का निर्माण। और हम पुरानी रियायतों से चिपकने के लिए धरना दिए बैठे हैं। अब कैसे समझाया जाए कि धरना-वरना देने से कुछ नहीं होता है, आजकल बहती गंगा में हाथ धो लेने चाहिए। उपदेश देने वाले अपनी चौपाल सजा कर अपना भाषण देकर चले गए।

अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के विस चुनाव परिणाम ने क्या संदेश दिया है?

सिकिम की बात करें तो यहां जब हमने लोगों से बातचीत की थी तो लोगों ने साफ कर दिया था कि हमें भाजपा या कांग्रेस से कोई नाराजगी नहीं है लेकिन हम चाहते हैं कि यहां की सरकार कोई क्षेत्रीय दल ही संभाले। पूर्वोत्तर के दो राज्यों- अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम के विधानसभा चुनाव परिणाम सामने आ गये हैं। दोनों ही राज्यों में जनता ने वर्तमान सरकार को ही दोबारा सेवा का अवसर दिया है। हालांकि यह दोनों परिणाम बहुत बड़े संदेश भी देकर गये हैं। पहला संदेश यह है कि भाजपा ने पूर्वोत्तर में अपनी जड़ें गहरे तक जमा ली हैं। दूसरा संदेश यह है कि कांग्रेस यहां खत्म हो चुकी है। तीसरा संदेश यह है कि क्षेत्रीय दल पूर्वोत्तर में व्यापक जनाधार रखते हैं। अरुणाचल प्रदेश में प्रभासाक्षी की चुनाव यात्रा के दौरान हमने देखा था कि वहां की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति अटूट विश्वास रखती है। लोगों ने हमसे बातचीत में कहा था कि जिस तरह पिछले दस सालों में अरुणाचल प्रदेश को विकास की तमाम सौगातें मिली हैं, जिस तरह यहां सड़क संपर्क को लेकर तेजी से काम हुआ है और सुदूर इलाकों तथा देश के अंतिम गांवों में भी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया गया है उसके चलते प्रदेश की जनता भाजपा के साथ खड़ी है। इसके अलावा भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में जिस तरह युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए तमाम तरह के वादे किये थे और इस राज्य में पर्यटन को नये पंख देने के लिए जो रूपरेखा जनता के बीच रखी थी उसका भी प्रभाव चुनावों में देखने को मिल रहा था। यहां भाजपा की लोकप्रियता का आलम यह था कि चुनावों की घोषणा के साथ ही पार्टी ने 10 सीटों पर निर्विरोध जीत हासिल कर ली थी। चुनावों के दौरान ईटानगर में भाजपा के मुख्यालय से लेकर जिलों के कार्यालयों तक में हमें जहां गहमागहमी देखने को मिली वहीं कांग्रेस के दफ्तरों में सन्नाटा पसरा हुआ था। हमने पाया था कि अरुणाचल में मुख्यमंत्री पेमा खांडू की लोकप्रियता भी काफी थी और उनके कामकाज को लोग पसंद करते हैं। यहां चुनावों के दौरान भाजपा ने कांग्रेस मुक्त अरुणाचल के नाम से जो अभियान चलाया था उसको भी काफी सफलता मिली थी क्योंकि जहां-जहां से यह यात्रा गुजरती थी वहां-वहां के कांग्रेसी नेता या कार्यकर्ता भाजपा का दामन थाम रहे थे। कांग्रेस को अरुणाचल प्रदेश में जो एक विधानसभा सीट मिली है वह दर्शा रही है कि पार्टी यहां खत्म हो चुकी है। यह स्थिति तब है जब हाल ही में अपनी भारत जोड़ो यात्रा लेकर राहुल गांधी ईटानगर पहुंचे थे और भाजपा पर तमाम प्रहार किये थे। वहीं सिक्किम की बात करें तो यहां जब हमने लोगों से बातचीत की थी तो लोगों ने साफ कर दिया था कि हमें भाजपा या कांग्रेस से कोई नाराजगी नहीं है लेकिन हम चाहते हैं कि यहां की सरकार कोई क्षेत्रीय दल ही संभाले। लोगों ने कहा था कि यदि भाजपा या कांग्रेस यहां सत्ता में आ गयी तो वह हमारे खूबसूरत राज्य को शिमला, दार्जिलिंग जैसा भीड़भाड़ वाला इलाका बना देंगी। लोगों ने कहा कि भाजपा या कांग्रेस के यहां सत्ता में आने पर दिल्ली के लोग आकर गंगटोक में होटल ही होटल बना देंगे और यहां आने वाली गाड़ियों की संख्या बढ़ने पर हमारा राज्य भी वायु प्रदूषण की समस्या झेलने लगेगा। लोगों ने कहा था कि इस शांत राज्य की क्या जरूरतें हैं इस बात को क्षेत्रीय दल भलीभांति समझते हैं इसलिए हम उनको ही वोट देंगे। लोगों ने कहा कि 25 साल तक हमने पवन कुमार चामलिंग को मौका दिया और अब युवा मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग अच्छा काम कर रहे हैं तो उन्हें ही अवसर देना चाहिए। लोगों ने यह भी कहा था कि भाजपा या कांग्रेस की सरकार बनने पर मुख्यमंत्री दिल्ली के निर्देश पर काम करेगा।

आज का राशिफल

मेष [illegible]

वृषभ [illegible]

मिथुन [illegible]

कर्क [illegible]

सिंह [illegible]

कन्या [illegible]

तुला [illegible]

वृश्चिक [illegible]

धनु [illegible]

मकर [illegible]

कुंभ [illegible]

मीन [illegible]

सुडोकू पहेली — क्रमांक- 5257

	4			1				9
	7			6		1		
1	6	3	9					8
	3					2		
	5		7		2		1	
		6					3	
6					5	8	9	2
		5		2			6	
9				8			4	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5256

6	9	5	4	7	3	2	1	8
7	3	4	8	2	1	5	6	9
2	8	1	6	9	5	7	3	4
8	1	2	5	3	9	4	7	6
4	6	7	2	1	8	9	5	3
3	5	9	7	6	4	8	2	1
1	7	3	9	4	2	6	8	5
9	2	8	1	5	6	3	4	7
5	4	6	3	8	7	1	9	2

वर्ग पहेली 5257

संकेत: बाएं से दाएं

1. 27 फरवरी 1931 को इस प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी की अंग्रेजों द्वारा हत्या की दी गई थी (8)
6. रस्सी, लकड़ी आदि की बनाई हुई सीढ़ी (2)
7. चमक, समय (2)
8. सुंदर स्त्री, कोमल चांद (2)
10. अभियोग, दावा, मुकदमा (3)
11. देवता, संगीत में लगने वाला स्वर (2)
14. इस प्रसिद्ध पुस्तक को फारसी भाषा में अबुल फजल ने लिखा था (6)
17. प्रेमपात्र, माशूक, महबूब (3)
18. खींचना, ऐंठना (3)
19. सम्मिलित करना, बढ़ाना (3)
22. झूमते या इतराते हुए चलना (4)
23. पश्चिम बंगाल की नदी के किनारे कोलकाता शहर बसा है (3)

ऊपर से नीचे

1. चकाचौंध, चुलबुला (3)
2. झूठी शान, अभिमान, डींग (2)
3. किसी नाटक, फिल्म आदि में सहन भूमिका अदा करने वाला पात्र (5)
4. आश्रम, अंबर, व्योम, सूना स्थान (3)
5. वस्तुओं को परस्पर बदलने हुई जातीयाद रस्म, धोखा (2)
9. धातु आदि को पीट और खींचकर बनाया गया धागा या तंतु (2)
11. बदनाम करना, भला-बुरा कहना (3)
12. पार्वती या लक्ष्मी के नामों में से एक (2)
13. 27 फरवरी 1997 के दिन फिल्म जगत इस प्रसिद्ध गीतकार का निधन हुआ था (4)
14. अंगूठे से तीसरी उंगली, नामहीन स्त्री (4)
15. बतलाना, कहना, बयान करना, जताना (3)
16. क्रिकेट से संबंधित एक शब्द (2)
20. ले आना, उपस्थित करना (2)
21. बाग-बगीचे की देखभाल करने वाला, बागबान (2)

वर्ग पहेली 5256 का हल

नमामि गंगे अभियान की शुरुआत

बावड़ियों व तालाबों का निरीक्षण कर सफाई का लिया संकल्प

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। मध्य प्रदेश शासन एवं मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के द्वारा 05 जून से 16 जून तक नमामि गंगे अभियान की शुरुआत मंदसौर जन अभियान परिषद से चयनित नवांकुर संस्थाएं एवं ग्राम विकास प्रस्फुंटन समितियां व मंदसौर जिले के सभी गांव और शहर में अभियान की शुरुआत हो चुकी है। अभियान के तहत मंदसौर शहर की आकाशावाली बावडी, मेनपुरिया तालाब का निरीक्षण किया और 16 तारीख से अभियान की शुरुआत होगी।

आकशावाली बावडी, नयापुरा रोड बावडी वाले बालाजी के पास स्थित है। बावडी से कई लोगों की आस्था जुडी हुई है बावडी का जल राजस्थान और मध्य प्रदेश के चर्म रोग से मुक्ति पाने के लिए कई लोग बावडी का पानी लेने आते हैं। बावडी लगभग 300 वर्ष पुरानी है बावडी की सीढिया पर भोलेनाथ की मूर्ति स्थापित है और बावडी की विशेषता है कि 12 माह तक बावडी में पानी रहता है लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि जहां आस्था का विशेष जुड़ा हुआ है वहां बावडी का इतना गंदा पानी है कि हम खड़े भी नहीं रह सकते। बावडी के अंदर पूजन सामग्री डालकर बावडी को गंदा कर रखा है। इस हेतु जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक तृप्ति बैरागी, सामाजिक कार्यकर्ता विनय दुबेला, वार्ड पार्षद प्रतिनिधि अमन फरक्या द्वारा यह संकल्प लिया गया तथा बावडी की सफाई के लिए बैठक का आयोजन किया गया जिसमें सभी वार्ड वासी उपस्थित रहे। साथ ही ग्राम पंचायत मोहम्मदपुरा (मेनपुरिया) मैं तालाब गहरीकरण के लिए ग्राम पंचायत सरपंच पति ओमकार माली एवं सचिव के साथ बैठक कर 16 जून सुबह 8 कलश यात्रा का आयोजन कर बाद में तालाब गहरीकरण का शुभारंभ किया जाएगा। साथ ही नमामि गंगे अभियान के तहत जन अभियान परिषद मंदसौर विकासखंड मंदसौर से चयनित नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि दिनेश सोलंकी, रतनलाल चौहान, मंजू भावसार, महेश दुबे, रमेशचन्द डिडवानिया, ललीत भाटी एवं मंदसौर की सामाजिक संस्थाएं एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पर्यावरण दिवस पर पौधे रोंपे

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जनपद पंचायत सीईओ श्री आरसी हालू के मार्गदर्शन में जल संरक्षण को लेकर तालाब गहरीकरण एवं पौधा रोपण किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक समन्वयक श्रीमती अर्चना भट्ट एवं ग्रामवासी उपस्थित थे।

परिणाम आये विचित्र

हो गये चुनाव
परिणाम ऐसे मिले
डूबी न कोई नाव
चेहरे सबके खिले
यू.पी. ने चकराया
साइकिल ने लुभाया
विश्वास ने डूबाया
अयोध्या ने चौंकाया।
जातिगत समीकरण
वोटों का ध्रुवीकरण
गारंटी का लगा इत्र
परिणाम आये विचित्र।

नंदकिशोर राठौर, मंदसौर

लम्बी हार की उम्मीद नहीं थी गुर्जर और कांग्रेस को

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। अठारहवीं लोकसभा के चुनाव परिणाम आ गए। मंदसौर लोकसभा सीट से भाजपा के सुधीर गुप्ता तीसरी बार चुनाव जीत गए। जीत का भरोसा तो सुधीर को पहले से ही था किन्तु दिलीपसिंह गुर्जर और कांग्रेस दोनों को इतनी लम्बी हार की उम्मीद नहीं थी।

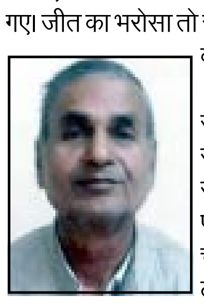

केन्द्र में बहरहाल भाजपा क्षीण बहुमत तथा कांग्रेस सत्ता के किनारे तक पहुंचने के कारण दोनों दलों के समर्थक कहीं खुशी कहीं गम के माहौल में अगले पांच साल बिताएंगे। श्री दिलीपसिंह के मंदसौर टिकट मिलने पर कांग्रेस में दूसरी पंक्ति के नेताओं के विधानसभा चुनाव में भाग्य आजमाने के बाद तीसरी पंक्ति के नेता लोकसभा चुनाव में टिकट के आकांक्षी थे। कांग्रेस हाईकमान ने इन नेताओं को कमजोर करार कर दिया। इस कारण बाहरी उम्मीदवार की तलाश में श्री गुर्जर को अवसर दिया गया, उनके आने पर इक्की-दुक्की नाराजगी हुई किंतु वह भी समय रहते समाप्त हो गई। उम्मीदवार एवं कांग्रेस ने अपने स्तर पर जनता से संपर्क के प्रयास किए। नतीजे बताते हैं कि इसमें सफलता नहीं मिली। श्री गुर्जर को पांच लाख से अधिक मतों से हारना पड़ा। सुश्री मिनाक्षी नटराजन को मिली पराजय से भी यह आंकडा सवा लाख मत अधिक हो गया।

राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा है कि केन्द्र में भाजपा को 240 सीटों पर संतोष करना पड़ा तथा सरकार बनाने में अन्य घटकों का सहारा लेना पड़ेगा। वहां मंदसौर सीट पर भाजपा उम्मीदवार की प्रचंड बहुमत से विजय आश्चर्य प्रकट कर रही है। कांग्रेस नेतृत्व को आत्म परीक्षण करना चाहिए कि मंदसौर लोकसभा सीट पर लगातार तीन चुनावों में पराजित होने का कारण क्या है ? विधानसभा चुनावों में पिछले 23 वर्ष से एक-एक सीट जीतना ही संतोष व्यक्त कर रहा है। वर्ष 2003 के पहले कांग्रेस की जो जमीन थी वह अब नजर क्यों नहीं आ रही है। श्याम सुंदर पाटीदार, भंवरलाल नाहटा, सीताराम जाजू, माणकलाल अग्रवाल, बालकवि बैरागी, भारतसिंह जावरा, भारतसिंह दीपाखेड़ा, नरेन्द्र नाहटा, सुभाष सोजतिया के समय संगठन नजर आता था। आज वीरान जैसी स्थिति क्यों बनी। हरदीपसिंह डंग को कांग्रेस छोड़ने को मजबूर क्यों होना पड़ा ? दलाल किस्म के नेता कमलनाथ सरकार में ताकतवर कैसे बन गए? पिछले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के विपिन जैन विधायक बने। वे दो हजार वोट से जीते पांच माह बाद लोकसभा चुनाव में सुधीर गुप्ता को मंदसौर विधानसभा से 50 हजार वोट ज्यादा कैसे मिले ? इन बातों की समीक्षा का समय श्रेष्ठिवर्ग के पास नहीं है इसलिए कांग्रेस रसातल में जा रही है। अब धृतराष्ट्र को नई आंखें बिठाने की जरूरत है।

विक्रम विद्यार्थी, मंदसौर

जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत....

जल स्त्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए अभियान प्रारंभ

सभी ग्राम पंचायतों में जल सरंचनाओं के गहरीकरण का कार्य शुरू, सफाई के कार्य भी किये जायेगें

नीमच, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। जिले में 5 जून पर्यावरण दिवस से गंगा दशमी पर्व तक जलस्त्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत कलेक्टर श्री दिनेश जैन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गुरूप्रसाद के मार्गदर्शन में जिले में सभी ग्राम पंचायतों में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून से एक-एक जल सरंचनाओं तालाबों का जनभागीदारी से गहरीकाण का कार्य प्रारंभ किया गया है। इस अभियान के तहत 15 जून तक जिले में जल के स्त्रोतों, जैसे नदी, कुएं, तालाब, बावड़ियों आदि को स्वच्छ रखने और आवश्यकता होने पर उनके गहरीकरण के लिए गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। यह कार्य जनसहभागिता से होगा। इससे जल स्त्रोतों के प्रति सामाजिक चेतना जागृत करने और जनसामान्य का जल स्त्रोतों से जीवंत संबंध विकसित करने में मदद मिलेगी।

कलेक्टर श्री जैन ने सभी सामाजिक, शासकीय, अशासकीय संस्थाओं, जनअभियान परिषद से जुडे संगठनों से अभियान में शामिल होने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता से जल संरचनाओं का चयन किया जाए और जल स्त्रोतों के संरक्षण के लिए सघन जनजागृति के कार्यक्रम चलाये। इससे भविष्य के लिए जल संरक्षण के संबंध में कार्य योजना बनाने में मदद मिलेगी। पेयजल की आपूर्ति में नदियां, बावड़ियां, कुएँ व तालाब महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, 'जल ही जीवन है' केवल स्लोगन नहीं है, यह जल स्त्रोतों की हमारे जीवन में भूमिका से स्पष्टहोता है। हमारी यह पीढी इन जल संरचनाओं की महत्ता से परिचित हो, हमारा संबंध जल संरचनाओं से अधिक प्रगाढ हो, यही इस अभियान का उद्देश्य है।

जल संरचनाओं को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा:- कलेक्टर श्री जैन ने कहा कि अभियान के दौरान नदियों और तालाबों से गाद या निकलने वाली मिट्टी, किसानों को खेतों में उपयोग के लिए उपलब्ध कराई जाएगी। जल संरचनाओं पर किये गये अतिक्रमणों को हटाया जाएगा। अभियान के संबंध में अधिकारियों को निर्देश जारी किए गए हैं, कि प्रारंभिक रूप से यह अभियान 5 से 15 जून तक चलाया जाएगा। इसके बाद अभियान की अवधि बढ़ाई जा सकती है।

रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के लिए चलेगा जागरूकता अभियान:- कलेक्टर श्री जैन ने कहा कि जल संरचनाओं के उन्नयन का कार्य प्राथमिकता से कराने के साथ ही नदी, झील, तालाब, कुओं, बावडी आदि के पुनर्जीवीकरण/संरक्षण व संरचनाओं के उन्नयन का कार्य स्थानीय सामाजिक, प्रशासकीय संस्थाओं के साथ मिलकर जनभागीदारी से कराया जाएंगा। प्रयास होगा कि जल संरचनाओं का उपयोग जल प्रदाय अथवा पर्यटन, भू-जल संरक्षण, मत्स्य पालन अथवा सिंघाड़े के उत्पादन के लिए भी किया जा सके। रिहायशी इलाकों में बंद पड़े रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की साफ-सफाई कर उनके पुन: उपयोग के लिए जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। निकायों को नाले-नालियों की साफ-सफाई, वाटर ड्रेनिंग मैनेजमेंट, घाट निर्माण, वृक्षारोपण जैसी गतिविधियों के संबंध में भी विस्तृत निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर श्री जैन ने जल गंगा संवर्धन अभियान से जुडने और जल संरक्षण ,पर्यावरण संरक्षण में सहभागी बनने का आव्हाभन जिलेवासियों से किया है।

पर्यावरण दिवस पर दिया पेड़-पौधे लगाने का संदेश

नाहरगढ़, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर माध्यमिक शासकीय स्कूल परिसर गरनाई संजीत पौधारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

आदर्श शिक्षिका श्रीमती ललिता सिसोदिया ने स्कूल परिसर में, नीम, गुलमोर, करंज, जैसे अनेक पौधे लगाकर पर्यावरण का संदेश दिया। संबोधित करते हुए कहा कि शुद्ध वायु और शुद्ध जल प्राप्त करना आने वाली पीढ़ियों का मौलिक अधिकार है। ये तभी संभव है, जब हम पर्यावरण को संरक्षण करेंगे और अधिक से अधिक पौधारोपण करेंगे। बिगड़ते पर्यावरण से धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है जिससे मानव जीवन, जीव-जंतु व पेड पौधों पर बुरा असर पड रहा है। हम सभी को अधिक से अधिक पेड लगाने चाहिए ताकि पर्यावरण की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग, वातावरण का बदलना जैसी गंभीर समस्याओं से पौधारोपण द्वारा ही पर्यावरण को संतुलित रखा जा सकता है। इसलिए हमें अधिक से अधिक पौधारोपण को सुरक्षित रखना चाहिए ताकि पर्यावरण में ऑक्सीजन की मात्रा को बढाया जा सके तथा पर्यावरण की हानिकारक गैसों को नियंत्रित किया जा सके। इस अवसर पर शिक्षक श्री श्याम गोरी सहित बच्चे उपस्थित थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर किया पौधारोपण

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। विश्व पर्यावरण दिवस पर बुधवार को सक्षम इकाई मंदसौर एवं नगर के गणमान्य नागरिकों ने स्थानीय मेघदूत नगर से लगे हुए गोल्डन सिटी के गणेश वाटिका मे पौधारोपण किया गया। इस अवसर पर सक्षम मालवा के प्रांत सचिव रविंद्र पाण्डेय ने कहा प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित रखकर ही हम आने वाली पीढी को सुरक्षित भविष्य दे सकते हैं, पर्यावरण की सुरक्षा के लिये समाज के सभी वर्गों कों मिलजुल कर सक्रिय भागीदारी निभानी होगी। जो भी पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं, उन सभी का अभिनंदन है। पेड लगाने से ही पर्यावरण शुद्ध और स्वच्छ होगा। सक्षम के जिला अध्यक्ष डॉ. अलका अग्रवाल ने घोषणा की जो भी समाजसेवी संस्थाएं वृक्षारोपण के क्षेत्र में आगे आएगी पोधों लगायेगी पोधों की व्यवस्था मेरे द्वारा की जाएगी। संजय नीमा ने समाज के सभी लोगों से पेड लगाने का आव्हान किया। भाजपा नेता व समाज सेवी पुलकित पटवा ने कहा मंदसौर को हराभरा बनाने के लिए पुरा सहयोग किया जायेगा। क्षेत्रीय पार्षद व सक्रिय समाजसेविका श्रीमती भारती पाटीदार ने कहा अपने वार्ड क्षेत्र के सभी बगीचो मे वृक्षारोपण किया जायेगा।

नाले पर लगे लोहे के टूटे ढक्कन के स्थान पर नया मजबूत ढक्कन लगाए नपा

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। गांधी चौराहा से श्री पशुपतिनाथ डायग्नोसिस के समीप चौराहे पर जो बड़ा नाला निकला है। पेशाब घर के समीप नाले पर नाले पर चेम्बर पर एक लोहे का बहुत बड़ा ढक्कन लगा हुआ है परन्तु यह पुराना होकर ओर टूटकर नीचे बैठ गया है। उक्त जानकारी देते हुए सामाजिक कार्यकर्ता योग गुरु बंशीलाल टांक ने बताया कि समीप ही जो पशुपतिनाथ डायग्नोसिस है यहां पर प्रतिदिन बीमार अपने परिजनों के साथ अपनी जांच करवाने या रिपोर्ट लेने चार या दो पहिया वाहनों से आते है। दिन के अलावा रात्रि को भी यहां आते है। ऐसी

अवस्था में जब नाले पर लगे इस टूटे ढक्कन पर से निकलेंगे तो भार नहीं सहने से टूटे जर्जरित ढक्कन के कारण हादसा हो सकता है। इसलिये कोई हादसा नहीं हो पाये इसके लिये नगरपालिका को इस ढक्कन के स्थान पर दूसरा मजबूत ढक्कन-जाली लगा देना चाहिए। घंटाघर से नई आबादी जाने वाले और नई आबादी से मार्केट आने वालों को काला खेत होकर यह मार्ग सीधा पड़ता है इसलिए इस मार्ग पर वाहनों की आवाजाही निरंतर लगी रहती है ऐसी स्थिति में भी इस नाले पर मजबूत जाली लगाना उचित होगा ।

भारत स्काउट गाइड जिला संघ ने किया पौधारोपण

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। भारत स्काउट गाइड जिला संघ द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। पर्यावरण को बचाने के लिए सबसे महत्वपूर्ण है ,वृक्षारोपण व वृक्षों की सुरक्षा एवं संरक्षण। भारत स्काउट गाइड जिला संघ पर्यावरण सुरक्षा सप्ताह मना रहा है

इस अवसर पर भारत स्काउट गाइड जिला मुख्य आयुक्त स्काउट गाइड अंशुल बैरागी, जिला प्रभारी एवं प्रदेश उपाध्यक्ष भोपाल श्रीमती दीपिका (शिल्पा) बैरागी ,जिला कमिश्नर स्काउट जिला शिक्षा अधिकारी लोकेंद्र डाबी, जिला रोवर्स कमिश्नर महंत एनडी वैष्णव ,जिला ऑडिटर महेश चंद्र गर्ग, जिला गाइड कमिश्नर एवं प्रभारी सचिव जिला संघ सलमा शाह, सहायक आयुक्त विकासखंड स्काउट एडवोकेट राहुल माली, स्काउट संयुक्त सचिव अशोक कुमार शर्मा, सह सचिव स्काउट जिला सुरेश चंद्र भावसार आदि उपस्थित रहे। जिला मुख्य आयुक्त स्काउट अंशुल बैरागी ने बताया कि इस वर्ष हम अपना सीड बॉल कार्यक्रम के अंतर्गत लगभग एक लाख सीड बॉल बनाने का लक्ष्य रखा गया है। पूर्व में भी सीड बॉल का कार्यक्रम रखा गया था उसमें से लगभग 20% सीड बोल से पौधे पनप चुके हैं और वह धीरे-धीरे पेड का रूप लेते जा

रहे है। 5 वर्ष पूर्व धर्मराजेश्वर सहित जिन स्थानों पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए थे उन पौधे का संरक्षण भी किया गया और आज भी पौधे वृक्ष का रूप ले चुके हैं। पर्यावरण को बचाने के लिए वृक्षारोपण करना ही महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि वृक्षों की सुरक्षा और संरक्षण सबसे महत्वपूर्ण है भारत स्काउट गाइड वृक्षारोपण करती भी है किंतु उससे भी ज्यादा ध्यान उनकी सुरक्षा और संरक्षण पर देती है इसी कारण जिले में जो वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया जा रहा है। उनकी सतत निगरानी की जा रही है, जिससे पौधे वृक्ष के रूप में पनप रहे हैं और अब उन वृक्षों पर पक्षियों की दाना और पानी के लिए सकोरे भी बांधे जा रहे हैं यह कार्यक्रम दिनांक 6 जून को राजीव गांधी क्रीडा परिसर में आयोजित किया जाएगा। उक्त जानकारी जिला स्काउट गाइड प्रवक्ता मोहम्मद उमर शेख ने दी।

भारतीय स्टेट बैंक ने विधि महाविद्यालय में किया पौधरोपण

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। भारतीय स्टेट बैंक द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विधि महाविद्यालय मंदसौर में वृक्षारोपण के कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर स्टेट बैंक ऑफ़

इंडिया मंदसौर के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री मोहित शुक्ला ने सभी को पर्यावरण दिवस की बधाई दी और कहा कि आज हमें पर्यावरण के प्रति जागरूक एवं सजग होने की आवश्यकता है, 5जून 1974 को पहला विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया था, हर साल पर्यावरण दिवस की थीम भी तय की जाती है, इस बार की थीम है साल्यूशन टू प्लास्टिक पॉलियूशन यानि प्लास्टिक से हों रहे प्रदूषण की समस्या का समाधान। प्रकृति में बढ़ते तापमान और मौसम परिवर्तन हम सबके लिए एक चुनौती बन गया है, हम प्रकृति के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए,एक व्यक्ति एक वृक्ष के सिद्धांत का पालन करते हुए वृक्षारोपण की ओर ध्यान दे तो इस समस्या से निजात पा सकते है, हम वृक्षारोपण के साथ ही दो छोटी बातो का संकल्प ले पहला प्लास्टिक का उपयोग कम करेंगे दूसरा जरूरत के अनुसार ही बिजली का उपयोग करेंगे, हम पर्यावरण का ध्यान रखेंगे तो प्रकृति भी हमारा ध्यान रखेगी।

पर्यावरण दिवस पर स्वच्छता अभियान व पौधारोपण

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। राजमाता विजया राजे सिंधिया कृषि विश्व विद्यालय के कुलपति डॉ अरविंद कुमार शुक्ला के विशेष निर्देशन में उद्यानिकी महाविद्यालय मंदसौर में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आई एस तोमर के नेतृत्व में स्वच्छता अभियान चलाया गया। मीडिया प्रभारी डॉ. अंकित पांडे ने बताया कि इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थी शिक्षक एवं समस्त स्टाफ ने महाविद्यालय के लान एवं प्रांगण में साफ सफाई का कार्य किया। वर्षा नजदीक होने पर इन्हीं स्थानों पर पौधारोपण भी किया जाएगा। सफाई कार्यक्रम के पश्चात आपदा प्रबंधन विषय पर महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में डॉ. ओ पी सिंह द्वारा अग्नि सुरक्षा के विभिन्न उपायों के उपर विद्यार्थियों को जागरूक किया गया। विद्यार्थियों को अग्निशमन यंत्र का उपयोग करने का लाइव डेमो डॉ अंकित पाण्डेय द्वारा दिया गया। अधिष्ठाता आई एस तोमर ने विद्यार्थियों से महाविद्यालय को प्लास्टिक मुक्त एवं हरा भरा बनाने का आह्वान किया, साथ ही आपदा प्रबंधन पर भी अपने विचार प्रस्तुत किए।

रासेयो इकाई द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर के प्राचार्य डॉ. एल. एन. शर्मा ने बताया कि महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में 05 जून 2024 को रासेयो इकाई द्वारा निर्मित अमृत वाटिका में श्रमदान किया। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. अनिल कुमार आर्य के नेतृत्व में महाविद्यालय की रासेयो इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा मेरी माटी मेरा देश अभियान के अंतर्गत अमृत वाटिका में लगाए गए सौ पौधों को पानी पिलाया एवं अनावश्यक गाजर घास का उन्मूलन किया। स्वयंसेवकों के पर्यावरण संरक्षण हेतु परिसर की प्लास्टिक बनाकर स्वच्छता संदेश दिया एवं सिंगल प्लास्टिक के उपयोग के प्रयोग न करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण हेतु शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. एल. एन. शर्मा ने कहा कि हम यदि आने वाली पीढ़ी को कुछ अच्छा तोहफा देना चाहते हैं तो फलदार एवं छायादार वृक्ष लगाएं और पर्यावरण संरक्षण में अपनी महती भूमिका निभाएं। कार्यक्रम अधिकारी प्रो. अनिल कुमार आर्य ने कहा कि यदि हम समय रहते वृक्षारोपण नहीं करेंगे तो आगामी समय में हमें इससे भी ज्यादा भीषण गर्मी एवं जल संकट का सामना करना पड़ेगा। उक्त कार्यक्रम में प्रो. द्युति मिश्रा, प्रो. शिखा ओझा, वरिष्ठ स्वयंसेवक हिमांशु पांडेय, कुलदीप बैरागी, रविराज शर्मा, सुधांशु भावसार समेत महविद्यालय के विद्यार्थी उपस्थित रहें।

पर्यावरण संरक्षण में सहायक साइकिल की सवारी...

पत्र संपादक के नाम

संपादक की सहमति आवश्यक नहीं

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। कहते है इतिहास स्वयं को दोहराता हे। एक जमाना था जब खासकर भारत ही नही लगभग दुनिया भर में साइकिल का बोलबाला था। क्या अब उसी साइकिल युग के लोटने की परिस्तिथिया बन रही हे ? यह गंभीर विचारणीय प्रश्न हे। आप यह जानकर हैरान रह जाएंगे की लंदन में अब डॉक्टर अपने मरीजो को पर्ची पर दवाइयों के साथ रोज तीस मिनट साइकिल चलाने की सलाह भी दे रहे हे। डॉक्टरो का मानना हे की ऐसा कर के वे अपने मरीजो को दवाओ के साइड इफेक्ट से बचाने के साथ ही उनके दवाओ के खर्च में कटौती भी कर रहे हे। संयुक्त राष्ट्र द्वारा तीन जून को विश्व साइकिल दिवस घोषित किया गया था। संयुक्त राष्ट्र संघ ने परिवहन के सामान्य, सस्ते, विश्वसनीय, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल साधन के रूप में इसे बढ़ावा देने के लिए विश्व साइकिल दिवस मनाने की घोषणा की थी। साइकिल की खोज के बारे में कुछ इतिहासकार कहते हे की 1839 में स्कॉटलैंड को पहली साइकिल बनाने का श्रेय दिया जाता हे। कहा तो यह भी जाता हे की साइकिल का प्रचलन 19 वी शताब्दी में यूरोप में हुआ। जब कई शहरो में साइकिल की मांग बड़ी तो इंग्लैंड, फ्रांस और अमेरिका के निर्माताओ ने इसमें कई सुधार किए। तब साइकिल शान की सवारी माने जाने लगी। चीन के बाद दुनिया में आज भी सबसे अधिक साइकिल भारत में बनती हे। 1960 से लेकर 1990 तक भारत में अधिकांश परिवारो के पास साइकिल थी। कहा जाता हे की दुनिया में सबसे अधिक साइकिल चीन की सडको पर चलती हे। यहां के हर एक घर में साइकिल होती हे। हालाकि चिंता की बात यह हे की दुनिया की आबादी के हिसाब से साइकिलो की संख्या कम हो रही हे। साइकिल की सवारी व्यक्ति के दिल, दिमाग और शरीर को पूरी तरह से स्वस्थ रखती हे। ऐसे में अब फिर पूरी दुनिया का ध्यान साइकिल पर जा रहा हे। दुनियाभर की सरकारे और पर्यावरण की चिंता करने वाले लोग शहरी पर्यावरण की सुविधा के लिए साइकिल की सवारी को बढ़ावा देने में जुटे हे। साइकिल के क्रेज को बड़ाने के लिए प्रतिवर्ष साइकिल के नए नए माडल भी बाजार में आ रहे हे। निदरलैंड साइकिल को बढ़ावा देने में कई यूरोपीय देशो से आगे हे। वंहा की सरकार साइकिल का उपयोग करने वाले लोगो को टैक्स में छूट भी देती हे। वहा जनप्रतिनिधि व अधिकारी भी साइकिल का उपयोग कर अन्य लोगो को भी साइकिल चलाने के लिए प्रेरित करते हे। अनोखी बात यह हे की यहा देश की आबादी से अधिक साइकिले उपलब्ध हे। बढ़ते प्रदूषण की समस्या के चलते भारत सहित कई देश इलेक्ट्रिक साइकिल भी बना रहे हे। द एनर्जी एंड रिसोर्सेस इंस्टिट्यूट (टेरी) के एक अध्ययन पर गौर किया जाए तो छोटी दूरी के सफर के लिए अगर दो पहिया या चार पहिया वाहन के स्थान पर साइकिल का उपयोग किया जाए तो इससे देश की अर्थव्यवस्था को 1.8 खरब रुपए का लाभ होगा। राज्य सरकारो को साइकिल के लिए अलग से लेन बनाने की भी पहल करनी चाहिए। किराए की साइकिल उपलब्ध करवाने की योजना बनाकर शहर के मध्य ऐसे साइकिल सेंटर भी बनाए जा सकते हे। तो आप भी आज से साइकिल चला रहे है न...?

गौरव सोनी, मंदसौर (मप्र)

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	31	2301	2451
उड़द	000	0000	0000
सोयाबीन	4121	4041	4771
गैहु	4500	2340	3081
चना	434	6252	6670
मसुर	135	5726	6025
धनिया	423	5000	7400
लहसुन	15000	7100	20100
मैथी	857	4848	6400
अलसी	1331	5400	6071
सरसो	426	4800	5456
तारामीरा	0000	00000	00000
इसबगोल	159	9752	14201
प्याज	1834	600	1800
कलोंजी	23	13200	20200
डॉलर	8	5000	10100
तिल्ली	174	10201	12581
मटरसुखी	3	3241	3241
असालीया	27	8881	9980

गरमी में तेजी दिखा रही आग

संसाधनों में कमी और प्रशिक्षित कर्मचारियों का अभाव

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। मौसम में गरमाहट के साथ ही इन दिनो आग भी तेजी दिखा रही है। इधर आगजनी से बचाने में जिले में न संसाधन पर्याप्त है और न ही प्रशिक्षित कर्मचारी है। दमकलों की कमी के कारण सूचना के आधे घंटे बाद दमकल मौके पर पहुंचती है। इसके बाद अप्रशिक्षित कर्मचारी होने के कारण आगजनी की कई घटनाओं में आग की तेजी के आगे अमला असहाय ही नजर आया है। दमकल वाहन आधुनिक संसाधनों से भी लेस नहीं है। स्थिति यह है कि आग लगने के बाद दमकल को 30-40 किमी का सफर करके गंतव्य तक पहुंचना पड़ रहा है। इसके बाद आग पर तुरंत काबू पाना मुश्किल हो जाता है। बीते कुछ दिनों में आगजनी की आधा दर्जन घटनाएं सामने आ चुकी है।

देश भर में अनेक स्थानों पर हुई अग्निकांड के मामलों में दमकल वाहनो की नाकामी सामने आई है। मंदसौर जिले की स्थिति देखे तो अग्निकांड की घटनाओं से बचाने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं है। इधर प्रशासन ने ऊंचे भवनों को तो अनुमति दे दी है पर दमकल में दो सीढ़ी भी नहीं है। जिले में 10 नगर परिषद और मंदसौर नगरपालिका को मिलाकर कुल 14 दमकल है। जिसमें कुछ जगह दमकल काम ही नहीं आ रही है तो कुछ दमकल में पर्याप्त पाइप ही नहीं है। एक दमकल के जिम्मे लगभग 40-40 किलोमीटर क्षेत्र है। जिसके कारण संबंधित क्षेत्र में जब तक दमकल पहुंचती है तब आग से बहुत नुकसान हो जाता है। जिले के नाहरगढ़, दलौदा, धुंधडका और बोलिया ऐसे गांव है जहां की आबादी 10-10 हजार से भी अधिक है। इतनी आबादी वाले गांवों में भी दमकल नहीं है। जिला मुख्यालय पर शहर किला रोड क्षेत्र सहित जिले के कई ऐसे क्षेत्र है जहां संकरी गलिया होने से अग्निकांड होने पर बडे दमकल नहीं पहुंच पाते हैं, इससे भी परेशानी होती है। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए छोटे दमकल भी पर्याप्त नहीं है न ही कोई दूसरे वैकल्पिक संसाधन नगरीय निकायों के पास है।

वर्तमान में जिले की पद्रह लाख की आबादी पर महज 14 दमकल है जो जनसंख्या और क्षेत्रफल के मान से पर्याप्त नहीं है। भानपुरा नगर परिषद के पास एक दमकल है। इस वाहन पर न तो सीढ़ी है न ही पर्याप्त पाइप है। छोटे से पाइप से ही दमकल वाहन आग बुझाता है। दो साल पहले गरोठ में दूधाखेडी मंदिर पर हुई घटना के दौरान दमकल जल गई थी, इसके बाद नपं ने एक छोटा दमकल खरीदा है। शामगढ़, सुवासरा, सीतामऊ सहित अन्य नप में भी एक-एक दमकल ही है। जबकि, क्षेत्र में 50-50 से भी अधिक गांव है।

मुंह चिढ़ाती ऊंची-ऊंची इमारतें...

मंदसौर शहर में नगर एवं ग्राम निवेश विभाग द्वारा कई मीटर ऊंचे व्यवसायिक भवनों को अनुमति तो दी जा रही है पर वहां फायर एनओसी को लेकर कोई कार्य नहीं हो रहा है। अब हालत यह बन रही है कि रेलवे स्टेशन पर बने एक भवन में सबसे ऊपरी मंजिल पर सिनेमागृह चल रहे थे। यहां भी आकस्मिक स्थिति से बचने के लिए केवल लोहे की एक सीढ़ी लगा दी गई है। इसके अलावा महू-नीमच राजमार्ग, नयापुरा रोड पर भी घर की अनुमति को लेकर व्यवसायिक निर्माण कर लिए गए है।

गांव 85, लेकिन दमकल एक...

सुवासरा नगर एवं आसपास के 85 गांवों के लिए एक ही दमकल है। जबकि, 40 किमी दूर ग्राम अंगारी में आग लगने पर सुवासरा से ही दमकल पहुंचती है। अग्निकांड होने पर सूचना पहुंचने के बाद दमकल जब तक पहुंचती है तब तक तो काफी नुकसान हो जाता है। नाहरगढ़ में गांव में आग लगने पर सीतामऊया मंदसौर से दमकल पहुंचती है, दोनों स्थानो से गांव 30 किमी दूर है।

आयकर की प्रैक्टिस के अलावा भी सीए के पास अनेक प्रोफेशनल विकल्प-सीए दिनेश जैन

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। दि इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंटस ऑफ इंडिया के वाणिज्यिक कानून, आर्थिक सलाहकार और एनपीओ सहकारी समिति के तत्वावधान में मध्य भारत क्षेत्रीय परिषद की मंदसौर जिला शाखा तथा उदयपुर शाखा द्वारा संयुक्त रूप से दो दिवसीय आवासीय रिफ्रेशर प्रोग्राम का आयोजन ताज अरावली उदयपुर में हुआ।

मंदसौर जिला शाखा के सचिव सीए विकास भंडारी ने बताया कि पहले सत्र के स्पीकर सीए दिनेश जैन ने मध्यस्थता अधिनियम 2023 पर चर्चा की। आपने कहा कि किसी भी अदालत या न्यायाधिकरण में जाने से पहले पक्षों को मध्यस्थता द्वारा वाणिज्यिक विवादों को निपटाने का प्रयास करना चाहिये। आपने बताया कि मध्यस्थता विवाद समाधान का एक आजमाया और परखा हुआ वैकल्पिक तरीका है। एक तटस्थ व्यक्ति के रूप में सीए बहुत से विवादों का हल तकनीक उपयोग व बातचीत के माध्यम से कर सकता है। यह सीए के लिये एक नई प्रोफेशनल अपॉर्चुनिटी है। आपने कहा कि आप पिछले 10 वर्षों से लगातार नि:शुल्क मध्यस्थता कोर्ट में चल रहे विवादों पर कर रहे है। समाधान न्यायपालिका में दायर केस पर भी किया जा सकता है। बोनस भुगतान, ईएसआई व पीएफ की बारीकीया दूसरे सत्र में सीए प्रमोद नाहर रतलाम ने समझाई। सीए दिनेश कोठारी उदयपुर ने फेमा एक्ट पर अपने विचार रखे। दूसरे दिन उदयपुर शाखा के चेयरमेन सीए रौनक जैन ने पीएमएलए पर अपना व्याख्यान दिया। सीए अनूप चपलोत व अभिषेक संचेती उदयपुर ने भी संबोधित किया। यह मंदसौर जिला शाखा का प्रथम आरआरसी वर्क शाप था। आभार प्रोजेक्ट चेयरमेन सीए नितेश भदाना ने माना। संचालन सीए विनय अग्रवाल ने किया। अतिथि परिचय सीए अर्पित नागदा, सीए योगेन्द्र जैन, सीए आशीष जैन, सीए राजेश जैन, सीए अर्पित नागर, सीए रोहन सोमानी ने दिया। इस दौरान 35 सदस्यों ने नाथद्वारा मंदिर के दर्शन किये तथा विश्वास स्वरूपम पर शिवजी की प्रतिमा के दर्शन किये। दल को मंदसौर से हरी झण्डी दिखाकर जीएसटी सहायक आयुक्त श्री रौनक दुबे, पूर्व सीए जिला शाखा के चेयरमेन सीए वीरेन्द्र जैन, उपाध्यक्ष सीए राजेश मण्डवारिया, कोषाध्यक्ष सीए नयन जैन ने रवाना किया।

जनजागरूकता रैली आज निकलेगी

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, नपा उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला, जलकार्य सभापति श्री निलेश जैन, सीएमओ श्री सुधीर कुमार सिंह ने बताया कि म.प्र. शासन के आदेशानुसार प्रदेश के समस्त नगरीय निकायों में जल स्त्रोतों जैसे नदी तालाबों, कुओं, बावडियों के संरक्षण, पुर्नजीवन एवं पर्यावरण संरक्षण हेतु 5 जून से 16 जून तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुसार उक्त अभियान के अंतर्गत मंदसौर नगर में आज दिनांक 6 जून 2024, गुरुवार को प्रात: 7.30 बजे गांधी चौराहा से महाराणा प्रताप चौराहा होते हुए तेलिया तालाब तक जल संरक्षण हेतु जनजागरूकता रैली का आयोजन किया जा रहा है। नपा परिषद नगर के समस्त पर्यावरण प्रेमियों स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों से आग्रह करती है कि वे इस जनजागरूकता रैली में शामिल होवे।

आर्ट ऑफ लिविंग पूरे भारत में एक करोड़ पौधे लगाएगा

बैंगलूरु, 5 जून। वैश्विक अध्यात्मिक गुरु और मानवतावादी, गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर ने बुधवार को आर्ट ऑफ लिविंग के अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, बेंगलुरु में हरे और प्राचीन परिसर में व्यापक रूप से उपयोगी लक्ष्मीतरु पौधे लगाकर एक बडे वृक्षारोपण अभियान कि शुरुआत की।

राष्ट्रव्यापी वृक्षारोपण अभियान के तहत, आर्ट ऑफ लिविंग 2300 आर्ट ऑफ लिविंग शिक्षकों, स्वयंसेवकों, युवा नेताओं और हजारों किसानों की मदद से 22 राज्यों में 1 करोड़ पौधे लगाएगा जो वृक्षारोपण की सुविधा के लिए नर्सरी विकास में सहायता प्रदान करेंगे। गांवों में किसानों के परिवारों को सहारा देने के लिए आर्ट ऑफ लिविंग भरपूर लाभांश देने वाले फलदार पौधे भी वितरित करेगा। इस विश्व पर्यावरण दिवस की थीम 'भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखेपन से राहत' को ध्यान में रखते हुए आर्ट ऑफ लिविंग ने 1.7 लाख एकड

भूमि को लाभ पहुंचाने के लिए 45,500 से अधिक पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण किया है, ताकि बारिश के पानी को बहने से रोका जा सके और अभेद्य पृथ्वी को परिवर्तित किया जा सके। एक अवशोषक स्पंज, और 1,212 करोड़ लीटर भूजल पुनर्भरण के साथ भूजल स्तर में 14 फीट की वृद्धि भी दर्ज की गई है। सामाजिक सशक्तिकरण के साथ पर्यावरण संरक्षण को जोड़ने वाली इस पहल में, आर्ट ऑफ लिविंग बीज राखी परियोजना भी शुरू कर रहा है, जिसका उद्देश्य बीज-संबंधित गतिविधियों के माध्यम से आदिवासी महिलाओं को सशक्त बनाना है। वैश्विक अध्यात्मिक गुरु और मानवतावादी, गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर ने कहा, 'हमें प्राकृतिक खेती की ओर वापस लौटना चाहिए'। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा,

हमारे पास इस बात के पर्याप्त उदाहरण हैं कि जो किसान प्राकृतिक खेती की ओर लौट आए हैं, वे अपनी अपेक्षा से अधिक मुनाफा कमा रहे हैं। मैं एक चीज जो और कहना चाहूंगा कि बहु-फसलीय पद्धतियों को अपनाएं। 1 एकड़ जमीन में आप एक साथ 5 फसलें उगा सकते हैं। बाकी जगह का उपयोग आप पुनर्वनीकरण के लिए कर सकते हैं और आप अपने लिए सब्जियाँ भी उगा सकते हैं। मैं यह भी कहूंगा कि जितना संभव हो सके रेफ्रिजरेटर और वाहनों का उपयोग कम करें और बजाय इसके पैदल अधिक चलें। घर पर कुछ खाद्य पदार्थ उगाना अच्छा रहेगा। आप घर पर ही टमाटर, कद्दू और खीरे उगा सकते हैं। इन्हें ज्यादा जगह की जरूरत नहीं होती। जैसा कि हम देखते हैं, ग्रीनहाउस, गैस उत्सर्जन बढ़ रहा है और जलवायु को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। हम अपनी आँखें बंद करके यह नहीं सोच सकते कि कोई और चीज़ों को बदल देगा। आर्ट ऑफ लिविंग ने पहले ही वैश्विक पुनर्वनीकरण पहल में 36 देशों और 26 भारतीय राज्यों में 81.2 करोड़ पेड़ लगाए हैं, साथ ही 70 नदियों को पुनर्जीवित भी किया है। ऐसी नदियाँ जो केवल कागजों पर मौजूद थीं। जल संरक्षण के अंतर्गत 19,000 गांवों में 34.5 करोड़ लोग इससे लाभान्वित हुए हैं। आर्ट ऑफ लिविंग द्वारा देश भर में 22 लाख से अधिक किसानों को प्राकृतिक खेती में प्रशिक्षित किया गया है, जो लगभग शून्य लागत पर प्राकृतिक आदानों का उपयोग करता है, और सूखे या बाढ़ के दौरान खेती को बनाए रखने के लिए अपशिष्ट और जलवायु-लचीली कृषि तकनीकों का पुनर्चक्रण करता है। जैसा कि गुरुदेव कहते हैं, 'धरती माँ ने हमें बार-बार सिखाया है कि इसे पुनर्जीवित होने के लिए बहुत कम संसाधनों की आवश्यकता है और हमारी आवश्यकताओं को ये हमेशा पूरा करेंगी। हमें बस इसकी देखभाल के लिए अपने दृष्टिकोण को और अधिक मानवीय बनाने की आवश्यकता है।'

आज शनि देव जन्मोत्सव पर हवन, महाआरती व विशाल भण्डारा एवं मेला आयोजित होगा

नाहरगढ़, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। न्याय के देवता शनि महाराज का जन्मोउत्सव ज्येष्ठ विदी अमावस्या को मनाया जाऐगा। श्री श्याम कुटिया गुरूजी महंत श्री मोहनदास जी महाराज की सदप्रेरणा से श्री शनि देव जन्मोत्सव पर एकदिवसीय भव्य मेला ,हवन पूजन, महाआरती व विशाल भण्डारा का आयोजन होगा। सभी से निवेदक इच्छा पूर्ण श्री शनि देव मंदिर प्रांगण सेमल तलाब कोलवा जिला मंदसौर पर आयोजित है जिसमे सभी अंचल व नगर एवं क्षेत्रीय ग्रामीण जन पधारे। आयोजन 6 जून गुरुवार को हवन पूजन दोपहर दो बजे तथा महाआरती दोपहर 3:30 बजे और प्रसादी वितरण व भण्डारा शाम चार बजे से सात बजे तक रहेगा। सभी से समिति ने आयोजन मे भाग लेने की अपील की है तथा उपस्थित होकर आयोजन को सफल बनाऐ।

जल संरक्षण रैली की तैयारी को लेकर नपाध्यक्ष ने ली बैठक

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। मध्यप्रदेश शासन के आदेश अनुसार प्रदेश के समस्त नगरी निकायों में जल स्रोतों के संरक्षण एवं पर्यावरण जन जागरूकता हेतु दिनांक 6 जून गुरूवार को प्रात: 7:30 बजे गांधी चौराहा से महाराणा प्रताप चौराहा होते हुए तेलिया तालाब तक जन जागरूकता रैली निकाली जाएगी इस रैली को भव्य बनाने हेतु कल बुधवार को नपा अध्यक्ष

श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने जलकार्य समिति के सदस्यों नगरपालिका के स्टाफ के साथ बैठक की बैठक में इस रैली को भव्य बनाने के संबंध में व्यापक चर्चा की गई और तय किया गया कि इस बैठक में नगर पालिका के अधिकारियों , कर्मचारीयो के साथ ही इस रैली में एनसीसी केडर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा उषा कार्यकर्ता भी शामिल हो ताकि पर्यावरण संरक्षण एवं जन संरक्षण का संदेश आमजनों तक पहुंचे इस बैठक में शामिल सदस्यों ने अपने सुझाव से नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर को भी अवगत कराया इस बैठक में जलकार्य सभापति श्री निलेश जैन ,रेडक्रॉस सोसायटी चेयरमेन श्री प्रीतेश चावला जलकार्य समिति सदस्यगण श्रीमति माया भावसार, श्रीमती सुनीता भावसार, गोवर्धन कुमावत ,कमलेश सिसोदिया, नंदलाल गुजरिया, राकेश भावसार, नपा.प्रभारी कार्यालय अधीक्षक अजय मारोठिया, प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी श्री हेमचंद शर्मा, सिटी मिशन के अजय शर्मा , जलकार्य शाखा लिपिक मोहम्मद शाहिद, भंडारगृह प्रभारी राजू निमा भी उपस्थित थे।

पीएम श्री शाला के शिक्षकों का प्रशिक्षण प्रारंभ

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। लोक संचालनालय के मार्गदर्शन में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्था डाइट मंदसौर में पीएम श्री शाला के शिक्षकों का आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण दिनांक 5 जून 2024 को डाइट के प्राचार्य डॉ दिलीप सिंह राठौर की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर सभी प्रशिक्षणार्थियों को शुभकामना प्रेषित करते हुए अपेक्षा की गई की वे सकारात्मकता के भाव से प्रशिक्षण प्राप्त करें और प्रशिक्षण के दौरान की जाने वाली गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता करें । प्रशिक्षण के शुभारंभ के अवसर पर पीएम श्री शालाओ के प्रशिक्षण प्रभारी श्री आर डी जोशी द्वारा प्रशिक्षण की रूपरेखा पर प्रकाश डाला और बताया कि जिले में चयनित 5 पीएम श्री शालाएं कंवला, हतुनिया, अजयपूर, कुचडोद और बुढा है वहां के शिक्षकों को 5 दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। समस्त प्रशिक्षणार्थियों को डॉ प्रमोद कुमार सेठिया द्वारा भी संबोधित किया। आभार श्री रामेश्वर डॉगी ने माना। इस प्रशिक्षण समस्तं मास्टर ट्रेनर उपस्थित थे।

श्री अभयसूरिजी का अमृत महोत्सव कल से

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। कल 7 जून शुक्रवार को बही पार्श्वनाथ में अभय अमृत उत्सव समारोह का आयोजन हो रहा है। जिसमें न केवल हजारों धर्मप्रेमी बाहर से भाग लेने आएंगे बल्कि पूरे सकल जैन समाज तथा ग्राम का प्रीतिभोज की आयोजित होगा।

यह समारोह तपागच्छ कार्यवाहक , गच्छाधिपति जैनाचार्य श्री अभयदेवसूरिश्वरजी म. सा. के जीवन के 75 वर्ष पूर्णता के निमित्त आयोजित हो रहा है। तथा इसे सफल बनाने में आचार्य श्रीमद् विजय मोक्षरत्नसूरीश्वरजी म. आदि, ठाणा जुटे हुए है। इस उपलक्ष्य में श्री विमल सुदर्शन चंद्र परमार्थिक जैन ट्रस्ट - उदयपुर - वही एवं श्री अभय अमृतवर्ष महोत्सव समिति द्वारा द्वि दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किये जाने की घोषणा की गई है। इसके अनुसार 6 जून 2024 को प्रात: 6 बजे श्री शांतिधारा अभिषेक तथा सांय 6.30 बजे महाआरती एवं संगीत संध्या होगी। दिनांक 7 जून से प्रात: 8.45 श्री अभिनव सम्मेत शिखर तीर्थ तख्ती का अनावरण, श्री प्रकाशचंद रसकीलाल धारीवाल के हाथों से तथा ध्वज अमृत महोत्सव का समापन समारोह आयोजित है। बाद में प्रात: 10.15 पर श्री बाबुलाल मिश्रीलाल भंसाली का सम्मान एवं दोपहर 1.30 पर महामांगलिक होगा। दोपहर 12.30 बजे से सकल जैन समाज की नोकारसी श्री संघ स्वामीवात्सल्य तथा पूरे ग्राम का भोजन होगा। यह भोज बही के श्री सम्मेतशिखर तीर्थ परिसर में ही होगा। इस अवसर पर जैन समाज के कई. अग्रणीय उद्योगपति, कई राज्यों के मंत्रीगण पधार रहे है। कार्यक्रम की तैयारियां चल रही है।

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति को सौंपा इस्तीफा

मंत्रिमंडल भंग करने की सिफारिश, इस तारीख को फिर ले सकते हैं शपथ

नई दिल्ली, 5 जून। पीएम मोदी ने बुधवार दोपहर 2 बजे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को इस्तीफा सौंप दिया। साथ ही मंत्रिमंडल भंग करने की सिफारिश की। इससे पहले मोदी मंत्रिमंडल की सुबह 11।30 बजे आखिरी बैठक हुई। इसमें सरकार ने तीसरी बार जीत को लेकर धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया।

मोदी 8 जून को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। एनडीए के सभी सांसदों से एकजुटता के लिए साइन करवा लिया गया है। जदयू प्रवक्ता केसी त्यागी ने बताया कि 7 जून को संसद के सेंट्रल हॉल में एनडीए के सभी सांसदों की बैठक होगी। लोकसभा चुनाव में भाजपा को 240 सीटें मिलीं हैं। यह बहुमत के आंकड़े (272) से 32 सीट कम हैं। हालांकि, एनडीए ने 292 सीटों के साथ बहुमत के आंकड़े को पार कर लिया। चंद्रबाबू की टीडीपी 15 सीटों के साथ दूसरी और नीतीश की जेडीयू 12 सीटों के साथ एनडीए में तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। दोनों ही पार्टियां इस वक्त भाजपा के लिए जरूरी हैं। इनके बिना भाजपा का सरकार बनाना मुश्किल है।

चंद्रबाबू ने अब तक नहीं रखी मंत्रालय की डिमांड–सूत्रों के मुताबिक, चंद्रबाबू नायडू ने अब तक कोई भी डिमांड बीजेपी के सामने नहीं रखी है। स्पीकर और अन्य मंत्रालय मांगने की बात जो मीडिया में आ रही है। वह गलत है। चंद्रबाबू के करीबी सूत्र ने बताया कि वे फिलहाल एनडीए में दूसरे नंबर पर है। बीजेपी के साथ विधानसभा का चुनाव लड़ें हैं। वे अगर इंडिया में गए तो सीटों की संख्या के आधार पर उनका नंबर चौथा या पांचवां रहेगा। सूत्रों ने बताया कि उन्हें यकीन है कि अगर वे इंडिया गठबंधन के साथ

सरकार बना भी लेते हैं, तो उसमें शामिल घटक दल, छोटी-छोटी बातों पर पार्टी तोड़ने की बात करेंगे। इसलिए इंडिया की सरकार ज्यादा दिन तक नहीं चलेगी।

देवेंद्र फडणवीस ने इस्तीफे की पेशकश की–महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा, मैं विधानसभा चुनाव की तैयारी में पूरी तरह से लगना चाहता हूं। इसलिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से मंत्रिमंडल की जिम्मेदारी से मुक्त करने का निवेदन करूंगा।

हत्या के दो आरोपियों को... पेज 1 से जारी

पर रईस, आमीन, जावेद और शाकीर आ गये, जिनको भी आरोपियो ने घेर लिया और उनके साथ मां-बहन की गाली गलोच की और आरोपी राजा ने कुल्हाड़ी से जावेद को मारा तथा बबलु ने रईस को तलवार से मारा। फिरोज, गुड्डु, गुलाम ने झूमाझपटी की तथा घटना में जावेद को अस्पताल तक पहुंचने पर उसकी मृत्यु हो गई। उक्त घटना पर थाना वायडी नगर मंदसौर द्वारा धारा 341, 34, 302, 307, 506 बी भादंसं के तहत् आरोपी राजा पिता फिरोज मेवाती, जावेद उर्फ गुलाम पिता इशान खां, गुड्डु उर्फ रज्ज़ाक पिता छोटे खां, ईमरान खां पिता छोटे खां, बबलु पिता फिरोज मेवाती, मुबारिक पिता छोटे खां, फिरोज पिता छोटे खां, परवीन बी पति एहसान खां निवासी ग्राम अचेरी के विरूद्ध कायमी की गई। सम्पूर्ण विवेचना कर अभियोगपत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

अभियोजन पक्ष की ओर से मामला प्रमाणित करने हेतु 17 साक्षियों के कथन न्यायालय में करवाये गये तथा अभियोजन पक्ष के द्वारा न्यायालय में मामला प्रमाणित किया गया। इस पर न्यायालय प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश मंदसौर श्री आसिफ अब्दुल्लाह द्वारा अभियोजन पक्ष पर विश्वास करते हुए आरोपी राजा पिता फिरोज निवासी ग्राम अचेरी एवं आरोपी परवीन बी पति एहसान खां निवासी अचेरी को 10-10 वर्ष का सश्रम कारावास तथा 5–5 हजार रूपये के जुर्माने से दण्डित किया गया। आरोपी बबलु पिता फिरोज खां मेवाती को एक वर्ष का कारावास एवं 2 हजार रूपए अर्थदण्ड से दण्डित किया गया हैं। उक्त मामले में अभियोजन का संचालन लोक अभियोजक तेजपालसिंह शक्तावत एवं अपर लोक अभियोजक भगवतीलाल शर्मा तथा भगवानसिंह चौहान द्वारा किया गया।

श्रीमद भागवत कथा में पक्षियों के पेयजल हेतु सकोरे वितरीत

मंदसौर, 05 जून गुरु एक्सप्रेस। पंछी बचाओं अभियान अंतर्गत भीषण गर्मी में पक्षियों के प्यासे कंठों की प्यास बुझाने की दृष्टिसे पाल्यामारू में भागवत कथा के बीच गोपाल गुर्जर सरपंच (इशकपुर) एवं सुंदरलाल गुर्जर चिरमोलिया के सहयोग से सकोरे (जलपात्र) वितरित किए। उक्त संदर्भ में जानकारी देते हुए संस्था के संस्थापक राकेश भाटी ने बताया भगवताचार्य भीमाशंकर जी शास्त्री के मार्गदर्शन मे श्रीमद भागवत में कथा के दौरान जलपात्र (सकोरे) वितरित किए।

श्रीमद भागवत प्रवक्ता भीमाशंकर शास्त्री ने व्यास पीठ से (सामाजिक संस्था) के पंछी बचाओं अभियान द्वारा जलपात्र (सकोरे) लगाने के अभियान के लिये कथा श्रवण कर रहे श्रोताओं, माताओं बहिनों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा यह जो पुनीत अभियान चलाया जा रहा है हम सभी को इस अभियान में सहयोगी बनकर पक्षियों

को बचाने के लिए अभियान से जुड़ना चाहिये और सभी को सकोरे लगाना चाहिये। संस्था के प्रदेश प्रवक्ता दिनेश जोशी ने उपस्थित श्रोताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि मनुष्यों और पशुओं की चिंता करते हुए प्याऊ और खेर (कुंडी) लगाएं जाते है परन्तु पक्षियों की चिंता किसी को नही हो रही है में आप सभी से विनय निवेदन करता हूं कि पक्षियों के लिये आप सभी चिंता करे और अन्य लोगो को प्रेरित कर अपने घर, बगीचे, सार्वजनिक चौक, मन्दिर, देवालयों पर दाना व पानी की व्यवस्था करें। इस कार्य से पुण्य कर्म में हमारा एक पुण्य ओर अंकित होगा। जलपात्र (सकोरा) अभियान की भागवताचार्य भीमाशंकर शास्त्री ने सराहना की ओर इस पुनीत अभियान में हर संभव सहयोग का आशीर्वाद दिया। सकोरा वितरण में प्रदेश प्रवक्ता दिनेश जोशी, सरंक्षक गोपाल गुर्जर,(सरपंच) पंछी बचाओ अभियान मन्दसौर तहसील अध्यक्ष सुंदरलाल गुर्जर, सह संयोजक देवेंद्र राव, समाजसेवी पंडित विकास शर्मा उपस्थित थे।

एम.के. कुरैशी, एडवोकेट

कार्यालय-नयापुरा रोड, मंदसौर (म.प्र.) मो. नं.-9827251281

दिनांक-06.06.2024

पंकज पिता ओमप्रकाश अग्रवाल द्वारा धारा 80 सी.पी.सी. का सूचना पत्र समाचार पत्र में प्रकाशित करवाया गया उसके संबंध में सूचना पत्र एवं खण्डन

प्रति,
श्री पंकज पिता ओमप्रकाश अग्रवाल
निवासी पिपलियामंडी, तहसील मल्हारगढ़, जिला-मंदसौर (म.प्र.)

महोदय,

हमारे पक्षकार श्री मनीष पिता ओमप्रकाशजी अग्रवाल निवासी पिपलियामंडी से प्राप्त माहिती एवं निर्देशानुसार जो सूचना पत्र आपके द्वारा समाचार पत्र अमृत कुंभ के अंक दिनांक 05.06.2024 में प्रकाशित धारा 80 सी.पी.सी. के सूचना पत्र के संबंध में दिया जा रहा है-

1. यह कि आपके द्वारा सूचना पत्र शासकीय अधिकारियों को उनके द्वारा की जा रही वैधानिक कार्यवाही को रोकने का नाजायज दबाव बनाने के लिए असत्य आधारों पर धारा 80 सी.पी.सी. का नोटिस प्रकाशित करवाया है।

2. यह कि नगर परिषद पिपलियामंडी द्वारा विधिवत रुप से नगरपालिका अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए जीर्ण-क्षीर्ण अवस्था के भवन को हटाने की कार्यवाही की जा रही है उसे रोकने के लिए आप यह असत्य कार्यवाहिया कर रहे है। जबकि उक्त जीर्ण-क्षीर्ण भवन से कभी भी जन धन की हानि हो सकती है। इसी तथ्य के आधार पर नगर परिषद द्वारा कार्यवाही की जा रही है और इस संबंध में नगर परिषद द्वारा भी हमारे पक्षकार को दिनांक 03.05.2024 को जारी किए गए सूचना पत्र से यह आदेशित किया था कि हमारे पक्षकार यदि सात दिवस में उक्त जीर्ण-क्षीर्ण भवन को नहीं तोड़ेगा तो नगर परिषद वैधानिक कार्यवाही करके उक्त भवन को गिरा देंगे और उसी तारतम्य में नगर परिषद द्वारा उक्त कार्यवाही की जा रही है जिसे रोकने का आपको कोई अधिकार नहीं है।

3. यह कि आपके सूचना पत्र में हमारे पक्षकार के विरुद्ध झूठे और भ्रामक तथ्य लिखे है इसमें सम्पत्ति हड़प करने के लिए झूठा दान लेख लिखाने का तथ्य भी आपने झूठा लिखा है जबकि हमारे पक्षकार के हक में विधिवत पंजीकृत दान पत्र ओमप्रकाशजी ने अपनी स्व अर्जित सम्पत्ति का किया है। इस तथ्य को जानते हुए भी आपने झूठा और भ्रामक तथ्य प्रकाशित करवाया है जो मानहानिकारक है। इस सूचना पत्र में आपने शेष अन्य तथ्य भी झूठे और दबाव बनाने वाले लिखाएं है। जिससे किसी निकाय को वैधानिक कार्यवाही करने से नहीं रोका जा सकता है। न्यायालय में वाद चलने से नगरपालिका अधिनियम के अंतर्गत नगर परिषद द्वारा की जा रही जनहित की कार्यवाही को नहीं रोका जा सकता है क्योंकि जनहित सर्वोपरि है। आपके सूचना पत्र का वृतांत असत्य है और बनावटी है जिसका खण्डन हमारा पक्षकार करता है। इसके बाद भी यदि आपके द्वारा वैधानिक कार्यवाही करने से नगर परिषद को रोका गया और किसी प्रकार की जन धन की हानि क्षतिग्रस्त भवन से हुई तो उसकी जवाबदारी आप स्वयं की होगी। अतः सूचित हो।

भवदीय

एम.के. कुरैशी, एडवोकेट, मंदसौर (म.प्र.)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in